मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

सांध्य दैनिक

रांची, सोमवार, 31 अगस्त 2026

संवत 2083, भाद्रपद कृष्ण 3 मूल्य-3 रुपये

वर्ष-9, अंक 348 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

4 ▸▸ बदलती जलवायु से पौधों के प्राकृतिक आवास पर संकट

टी-20 टीम से बाहर होने पर चौंके सूर्यकुमार, बोले- लगा था ओलंपिक और वर्ल्ड कप तक कप्तानी करूंगा 6

कुइली पहाड़ी नदी के तेज बहाव में बहे ग्रामीण दो का शव बरामद, बचाव अभियान जारी

अंतिम संस्कार से लौट रहे थे सभी

संवाददाता

चाईबासाः सारंडा के बहदा गांव में रविवार की शाम कुइली पहाड़ी नदी अचानक काल बन गई। अंतिम संस्कार से लौट रहे कुछ ग्रामीण तेज जलधारा की चपेट में आकर नदी में बह गए। हादसे के बाद शुरू किए तलाशी अभियान में देर रात दो लोगों का शव बरामद कर लिया। वहीं लापता की तलाश जारी है।

हादसे की जानकारी मिलते ही गांव के लोग अपने स्तर पर खोजबीन शुरू की। काफी मशक्कत के बाद रोया सिद्धू की मां का शव घटनास्थल से लगभग 500 मीटर की दूरी पर नदी किनारे झाड़ियों में फंसा मिला। ग्रामीणों ने शव को बाहर निकाला। इसके बाद भी तलाश जारी रखी गई और कुछ समय बाद रोया सिद्धू के पिता बोसेन सिद्धू का शव भी बरामद कर लिया गया।

नदी की धार में बह गई सुनीताः हादसे में बामिया सिद्धू की पत्नी सुनीता सिद्धू भी नदी की तेज धारा में बह गई थी। काफी देर तक खोजबीन के बावजूद उनका पता नहीं चल पाया। सुनीता की तलाश के लिए छोटानागरा थाना प्रभारी गौतम कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम भी मौके पर पहुंची। पुलिसकर्मियों और ग्रामीणों ने नदी के आसपास संभावित स्थानों पर खोजबीन की।

अंधेरा और बारिश बनी बड़ी बाधा : तलाशी अभियान के दौरान रात होने के कारण दृश्यता काफी कम हो गई थी। इसके अलावा कुइली नदी में पानी का बहाव तेज था और इलाके में बारिश भी हो रही थी। ऐसे में नदी में उतरकर तलाश करना बेहद जोखिम भरा रहा। इसके बावजूद पुलिस और ग्रामीणों ने देर रात तक अभियान जारी रखा।

अंतिम संस्कार से लौटते वक्त हुआ हादसाः ग्रामीणों के मुताबिक सभी रविवार को गांव में एक व्यक्ति के अंतिम संस्कार में शामिल होने गए थे। लौटते समय सभी कुइली नदी पार कर रहे थे। इसी दौरान पहाड़ी क्षेत्र से अचानक पानी का तेज बहाव नीचे की ओर आया। देखते ही देखते नदी का जलस्तर बढ़ गया और धारा इतनी तेज हो गई कि सभी ग्रामीण संभल नहीं सके। मौसम और नदी की स्थिति को देखते हुए तलाश अभियान को काफी चुनौतीपूर्ण माना जा रहा है।

आप हाई कोर्ट जा सकते हैं... सुप्रीम कोर्ट ने ई-20 पेट्रोल को लेकर दायर जनहित याचिका पर सुनवाई से किया इनकार

नई दिल्ली: सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को ई-20 पेट्रोल को लेकर दायर एक जनहित याचिका (पीआईएल) पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया। याचिका में पेट्रोल में इथेनॉल की मात्रा बताने और इथेनॉल-मिश्रित ईंधन के गाड़ियों के साथ इस्तेमाल की अनुकूलता के बारे में अधिक पारदर्शिता के लिए निर्देश देने की मांग की गई थी। वकील नरेंद्र गोस्वामी ने यह याचिका दायर की थी।

वकील नरेंद्र गोस्वामी ने यह याचिका दायर की थी। सोमवार को जस्टिस एमएम सुंदरेश और जस्टिस प्रसन्ना बी वराले की बेंच ने याचिका पर सुनवाई से इनकार कर दिया। हालांकि, बेंच ने उन्हें अपनी शिकायत लेकर संबंधित हाई कोर्ट जाने की छूट दी। याचिका में मांग की गई कि हर पेट्रोल पंप के हर नोजल पर साफ-साफ लिखा जाए कि पेट्रोल में कितने प्रतिशत इथेनॉल मिला है। पेट्रोल की रसीद/बिल पर भी इथेनॉल का प्रतिशत लिखा जाए, ताकि ग्राहक को पता रहे कि उसने कौन-सा पेट्रोल खरीदा है।

इस याचिका में यह भी मांग की गई थी कि सरकार एक आधिकारिक वाहन-वार सूची/डेटाबेस बनाए, जिसमें बताया जाए कि कौन-सी गाड़ी ई-20 पेट्रोल के लिए उपयुक्त है और कौन-सी नहीं। इसमें कंपनी, मॉडल और निर्माण वर्ष आदि की जानकारी हो। जिन पुरानी गाड़ियों में ई-20 उपयुक्त नहीं है, उनके लिए धीरे-धीरे बदलाव की ऐसी व्यवस्था बनाई जाए, जिससे उन्हें कम-इथेनॉल वाला पेट्रोल उपलब्ध कराया जा सके।

याचिकाकर्ता ने खुद अपनी बात रखते हुए कहा कि वह केंद्र की इथेनॉल-ब्लेंडिंग पॉलिसी को चुनौती नहीं दे रहे हैं, बल्कि सिर्फ ग्राहकों को बेचे जा रहे पेट्रोल में इथेनॉल की मात्रा के बारे में जानकारी चाहते हैं। गोस्वामी ने कहा, मैं पॉलिसी को चुनौती नहीं दे रहा हूं। मैं बस जानना चाहता हूं। मुझे जानने का अधिकार है। जब हम बिस्कुट का पैकेट भी खरीदते हैं, तो हमें उसमें मौजूद चीजों के बारे में पता होता है। उन्होंने आगे कहा कि यह मामला नागरिकों के अधिकारों से जुड़ा है, न कि किसी निजी फायदे से। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट से कहा, हम जो खरीद रहे हैं, उसके बारे में जानने का हमें अधिकार है। जस्टिस सुंदेश की अध्यक्षता वाली बेंच ने आखिरकार इस मामले पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया। बेंच ने गोस्वामी से कहा, हाई कोर्ट जाइए और वहां याचिका दायर कीजिए।

असम में डिवाइडर पार कर ट्रक से टकराई कार, 6 लोगों की दर्दनाक मौत, 2 गंभीर

कामरूप : असम के कामरूप (मेट्रो) जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग-27 पर बीती रात एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। खेतड़ी थाना क्षेत्र के नलगेदरा इलाके में एक तेज रफ्तार यात्री वाहन अनियंत्रित होकर डिवाइडर लांघते हुए सामने से आ रहे ट्रक से जा टकराया। इस भीषण भिड़ंत में मरने वालों की संख्या बढ़कर 6 हो गई है, जबकि कई लोग गंभीर रूप से घायल हैं।

डिवाइडर पार करते ही ट्रक के नीचे घुसी गाड़ीः जानकारी के अनुसार, यात्री वाहन नगांव से गुवाहाटी की ओर जा रहा था। खेतड़ी के पास अचानक चालक ने वाहन पर से नियंत्रण खो दिया, जिसके कारण गाड़ी डिवाइडर को पार कर सीधे दूसरी लेन में चली गई और सामने से आ रहे ट्रक से जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि एक महिला सहित कई लोगों की मौके पर ही जान चली गई।

जीएमसीएच में घायलों का इलाज जारी, दो न्यूरोसर्जरी मरीज क्रिटिकलः हादसे के बाद राहत व बचाव दल ने हताहतों को तुरंत गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल पहुंचाया। जीएमसीएच के प्रिंसिपल-कम-चीफ सुपरिंटेंडेंट, प्रोफेसर (डॉ।) बाबुल कुमार बेजबरुआ ने बताया कि अस्पताल में 3 शव लाए गए हैं और 6 घायलों का इलाज चल रहा है। घायलों में से दो न्यूरोसर्जरी मामलों के मरीजों की हालत गंभीर बनी हुई है, जिनकी देखरेख न्यूरोसर्जरी विभाग के विशेषज्ञ कर रहे हैं। शवों का पोस्टमार्टम करवाया जा रहा है और पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

पीएम मोदी की आज पुतिन से 50 मिनट की बैठक तय, कई मुद्दों पर होगी बात?

एजेंसी/ बिश्केक: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार को किर्गिस्तान की राजधानी बिश्केक में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ द्विपक्षीय बैठक करेंगे। करीब 50 मिनट निर्धारित इस बैठक में भारत-रूस संबंधों के साथ-साथ कई अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर चर्चा होने की संभावना है। मोदी-पुतिन की बातचीत में ऊर्जा सहयोग प्रमुख मुद्दा हो सकता है। यह मुलाकात इसलिए भी महत्त्वपूर्ण है क्योंकि अगले महीने नई दिल्ली में प्रस्तावित ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भी दोनों नेताओं की मुलाकात हो सकती है। रूस भारत के लिए कच्चे तेल और उर्वरक का बड़ा आपूर्तिकर्ता बना हुआ है।

ऐसे में दोनों नेता तेल और गैस की आपूर्ति, उर्वरकों की उपलब्धता और परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र में सहयोग की समीक्षा कर सकते हैं। वैश्विक ऊर्जा बाजार में जारी अस्थिरता के बीच भारत के लिए रूसी ऊर्जा आपूर्ति अहम है। रक्षा सहयोग भी बैठक के एजेंडे में रह

सकता है। दोनों देशों के बीच लंबे समय से रक्षा साझेदारी है। सैन्य उपकरणों की आपूर्ति, स्पेयर पार्ट्स, तकनीकी सहयोग और रक्षा क्षेत्र में संयुक्त उत्पादन को आगे बढ़ाने पर चर्चा संभव है। भारत-रूस व्यापार भी अहम विषय रहेगा। दोनों देशों के बीच कारोबार तेजी से बढ़ा है, लेकिन व्यापार में असंतुलन भारत के लिए चिंता का विषय है। बैठक में भारतीय उत्पादों के रूस में निर्यात, निवेश, भुगतान व्यवस्था और व्यापार को अधिक संतुलित बनाने के उपायों पर चर्चा हो सकती है।

भारत-रूस सम्मेलन को कर्नाटक में संपर्क सम्मेलनः भारत-रूस के बीच द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के उद्देश्य से कोलकाता में सोमवार को संपर्क 2026 सम्मेलन आयोजित किया जायेगा। बंगाल कन्वेंशन सेंटर में होने वाले पूर्वी भारत के इस पहले उच्च स्तरीय भारत-रूस सम्मेलन में व्यापार, ऊर्जा, तकनीक और संस्कृत जैसे प्रमुख क्षेत्रों में सहयोग पर मंथन होगा। इस कार्यक्रम का आयोजन कोलकाता स्थित रणनीतिक थिंक टैंक पी3 (पीपल, पॉलिसी, पॉलिटी) कर रहा है। बंगाल कन्वेंशन सेंटर में आयोजित होने वाला यह सम्मेलन केवल आमंत्रित अतिथियों के लिए है, जिसे भारत-रूस संबंधों पर केंद्रित पूर्वी भारत के पहले उच्च स्तरीय द्विपक्षीय सम्मेलन के रूप में देखा जा रहा है। सम्मेलन में चर्चा चार प्रमुख क्षेत्रों- संस्कृत्त, रणनीतिक व्यापार और निवेश, ऊर्जा गतिशीलता और प्रौद्योगिकी एवं उभरते रणनीतिक क्षेत्रों पर केंद्रित होगी। इसमें शामिल प्रतिभागी व्यापार, निवेश, एमएसएमई, कृत्ष, कपड़ा, विनिर्माण, ऊर्जा, कृत्रिम बुद्धिमता (एआई) और डिजिटल नवाचार में संभावनाओं की तलाश करेंगे। एक विशेष कॉरिडोर ऑफ एक्सीलेंस दोनों देशों के बीच सांस्कृत्तक और ऐतिहासिक संबंधों को प्रदर्शित करेगा।

पूर्व डीडीसी सुनील सिंह ने की आत्महत्या फंदे से लटकता मिला शव

लंबे समय से चल रहे थे बीमार

संवाददाता

रांचीः पूर्व डीडीसी सुनील कुमार सिंह का शव फंदे से लटकता उनके घर में मिला। घटना रविवार की है। सुनील कुमार सिंह लालपुर थाना क्षेत्र के सिदो-कान्हू पार्क के पास विंध्यवासिनी अपार्टमेंट में रहते थे। पुलिस के अनुसार, सुनील सिंह पिछले कुछ दिनों से बीमारी से परेशान थे। वह इसकी चर्चा अक्सर लोगों से किया करते थे।

सुनील कुमार सिंह अपार्टमेंट में अकेले रहते थे। उनकी पत्नी पटना में रहतीं हैं। रविवार सुबह करीब नौ बजे जब नौकरानी उनके घर पहुंची तो उन्हें कमरे में पंखे से लटका पाया। इसके बाद घटना की सूचना पुलिस को दी गई।

पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना की जांच के लिए एफएसएल (फोरेंसिक) टीम को भी मौके पर बुलाया गया।पुलिस आत्महत्या के कारणों के साथ-साथ अन्य संभावित पहलुओं की भी जांच कर रही है। कमरे से कोई सुसाइड नोट मिला है या नहीं, इसकी भी जांच की जा रही है।

सुनील कुमार सिंह अपार्टमेंट में अकेले रहते थे। उनकी पत्नी पटना में रहतीं हैं। रविवार सुबह करीब नौ बजे जब नौकरानी उनके घर पहुंची तो उन्हें कमरे में पंखे से लटका पाया।

14वीं जेपीएससी व जेएसएससी सीजीएल -23 नियुक्ति घोटाला

सीबीआई जांच मांग पर सुप्रीम कोर्ट में 11 सितंबर को सुनवाई संभव

रांची : सुप्रीम कोर्ट में हरिशरण देवगन की याचिका पर 11 सिंबर को सुनवाई हो सकती है। राज्य सरकार को सीबीआई जांच के मामले में जारी नोटिस मिल चुका है। न्यायालय ने सरकार सहित अन्य सभी प्रतिवादियों को 11 नवंबर तक नोटिस का जवाब देने का निर्देश दिया है।

हरिशरण ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर 14वीं जेपीएससी परीक्षा और जेएसएससी-सीजीएल-2023 की सीबीआई जांच की मांग की है। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायाधीश जॉय माल्या बागची और न्यायाधीश वी मोहना की पीठ में 24 अगस्त को इस पर सुनवाई हुई थी।

सुनवाई के बाद न्यायालय ने राज्य सरकार, सीबीआई, जेपीएससी, जेएसएससी, केंद्र सरकार को नोटिस जारी करने का आदेश दिया था। न्यायालय ने नोटिस को हाथो हाथ देने की भी अनुमति दी थी। इसके आलोक में राज्य के अधिवक्ता को उसी दिन नोटिस की कॉपी सर्व कर दी गयी थी।

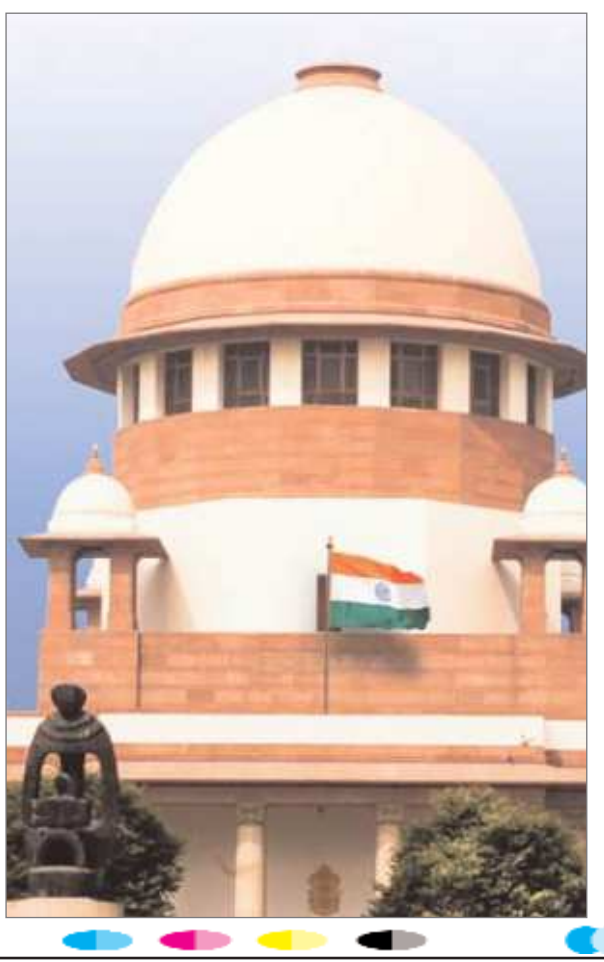

नेपाल में जलप्रलय के बीच डूबे बैंक से 50 करोड़ का सोना और डेढ़ करोड़ कैश बरामद

अब तक 903 मौतें, 4200 से अधिक लापता

काठमांडू : नेपाल में आई प्रलयकारी बाढ़ और सैलाब की भीषण तबाही के बीच चलाए जा रहे राहत एवं बचाव अभियान में एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। नुवाकोट के त्रिशूली स्थित कृषि विकास बैंक की शाखा भोटेकोशी नदी के उफान में पूरी तरह जलमग्न हो गई थी। आशंका जताई जा रही थी कि सारा कीमती सामान बह गया होगा, लेकिन करीब 8 घंटे के कड़े रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद बैंक के मलबे से 50 करोड़ रुपये का सोना और 1।5 करोड़ रुपये की नकदी सुरक्षित बरामद कर ली गई है। प्रशासन ने इस पूरे खजाने को कड़ी सुरक्षा के बीच महफूज स्थान पर शिफ्ट कर दिया है।

त्रासदी में 903 मौतें, 4200 से अधिक लोग अब भी लापताः नेपाल के गृह मंत्रालय के राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीआरआरएमए) की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक, विनाशकारी सैलाब के चलते अब तक 903

लोगों के शव निकाले जा चुके हैं। इनमें चितवन से 272, नवलपरासी पूर्व से 207, नवलपरासी पश्चिम से 151, नुवाकोट से 95 और अन्य जिलों से दर्जनों शव शामिल हैं। इसके अलावा 4,247 लोगों के लापता होने की आधिकारिक रिपोर्ट दर्ज हुई है, जिनमें नेपाल पुलिस, नेपाली सेना और सशस्त्र बल के जवानों के साथ-साथ जलविद्युत परियोजनाओं के 933 कर्मचारी और 592 विदेशी नागरिक भी शामिल हैं।

सुरक्षाबलों का विशाल महाअभियान, 10 हजार से अधिक जिंदगियां बचाई गईंः आपदा से निपटने के लिए नेपाल पुलिस, सेना और सशस्त्र पुलिस बल के 20,800 से अधिक जवान ग्राउंड पर तैनात हैं। अब तक 10,451 लोगों को सुरक्षित रेस्क्यू किया जा चुका है, जिसमें सेना ने 411 हेलिकॉप्टर उड़ानों के जरिए 3,500 से अधिक देशी-विदेशी नागरिकों को एयरलिफ्ट किया। हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट्स से चीनी और भारतीय नागरिकों को भी सुरक्षित निकाला गया है। वर्तमान में 267 घायलों में से कई का इलाज जारी है, जबकि अज्ञात शवों को पहचान के लिए 21 अलग-अलग अस्पतालों में सुरक्षित रखा गया है।

टनल में 5 फीट मलबे के बीच जिंदगी की तलाश जारीः त्रिशूली हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट समेत कई सुरंगों में अभी भी मजदूर फंसे हुए हैं। टनल के भीतर 4 से 5 फीट तक जमा गीला मलबा और पानी रेस्क्यू टीमों की राह में सबसे बड़ी चुनौती बना हुआ है। भारी दलदल के बावजूद बचाव दल लगातार अंदर दाखिल होने और टनल में अटकी जिंदगियों को सकुशल बाहर निकालने के प्रयास में जुटा है। राहत कार्यों को गति देने के लिए प्रभावित इलाकों में पर्याप्त ईंधन और 6 विशेष सर्जिकल मेडिकल टीमें भी तैनात की गई हैं।

न्यूज IN ब्रीफ

हॉकी फाइनल में एसटीसी खूंटी का शानदार प्रदर्शन, बालक-बालिका दोनों वर्गों में बना विजेता

खूंटी : राष्ट्रीय खेल दिवस एवं हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद की जयंती के अवसर पर आयोजित दो दिवसीय हॉकी एवं तीरंदाजी प्रतियोगिता का रविवार को समापन हुआ। प्रतियोगिता के दूसरे दिन हॉकी के फाइनल मुकाबले खेले गए, जिसमें खिलाड़ियों ने शानदार खेल प्रतिभा और खेल भावना का प्रदर्शन किया। बालिका वर्ग के फाइनल मुकाबले में एसटीसी खूंटी ने सेंटर ऑफ एक्सीलेंस को हराकर खिताब अपने नाम किया। वहीं बालक वर्ग के फाइनल मुकाबले में एसटीसी खूंटी ने डे बोर्डिंग खूंटी को पराजित कर विजेता का खिताब हासिल किया। दोनों ही वर्गों में एसटीसी खूंटी के खिलाड़ियों ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए प्रतियोगिता में अपना दबदबा कायम किया।

प्रतियोगिता के समापन समारोह में जिला खेल पदाधिकारी राजेश कुमार चौधरी ने विजेता एवं उपविजेता टीमों तथा खिलाड़ियों को ट्रॉफी एवं पदक प्रदान कर सम्मानित किया। उन्होंने सभी खिलाड़ियों को बधाई देते हुए खेल के क्षेत्र में निरंतर मेहनत करने और जिले का नाम रोशन करने के लिए प्रेरित किया। समापन समारोह के अवसर पर अशोक भगत एवं अर्पणा हंस सहित अन्य गणमान्य लोग एवं खेलप्रेमी उपस्थित रहे। दो दिवसीय आयोजन के दौरान हॉकी एवं तीरंदाजी प्रतियोगिता में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से लगभग 350 से 400 खिलाड़ियों ने भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य जिले की खेल प्रतिभाओं को बेहतर मंच प्रदान करना, खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करना तथा युवाओं को खेलों के प्रति प्रेरित करना रहा। जिला खेल पदाधिकारी के दिशा-निर्देश एवं मार्गदर्शन में प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया। एसटीसी खूंटी के बालक एवं बालिका दोनों वर्गों में विजेता बनने से जिले के खेलप्रेमियों में खुशी का माहौल है।

रामनारायण +2 विद्यालय हंटरगंज में राष्ट्रीय खेल दिवस समारोह का भव्य समापन

चतरा : रामनारायण +2 उच्च विद्यालय हंटरगंज में राष्ट्रीय खेल दिवस पर आयोजित तीन दिवसीय खेल समारोह का रविवार को समापन हुआ। 27 से 30 अगस्त तक हुई प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों ने 100, 200 और 800 मीटर दौड़, पुश-अप, प्लैंक व म्यूजिकल चेयर में दम दिखाया।विजेता छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि खूंटी केवाल खुर्द के मुखिया बृज किशोर सिंह और विशिष्ट अतिथि मनोज कुमार गुप्ता, सिकंदर कुमार व विद्यालय प्रबंधन समिति अध्यक्ष संतोष चौधरी ने विद्यार्थियों का उत्साह बढ़ाया।

मेजर ध्यानचंद को श्रद्धांजलिः इस मौके पर महान हॉकी खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद को पुष्पांजलि अर्पित की गई। विनय कुमार सिंह ने विद्यार्थियों को उनके जीवन, संघर्ष और उपलब्धियों की जानकारी दी।

शिक्षकों को छात्रों ने दी शिकस्तः समारोह का मुख्य आकर्षण शिक्षक-छात्र क्रिकेट मैत्री मैच रहा। रोमांचक मुकाबले में छात्रों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए शिक्षकों की टीम को हरा दिया।

खेल से विकास का संदेशः वक्ताओं ने कहा कि खेल विद्यार्थियों में अनुशासन, टीम भावना, नेतृत्व, आत्मविश्वास और संघर्ष की क्षमता विकसित करता है। प्राचार्य अनूप कुमार ने कहा कि शिक्षा के साथ खेल भी सर्वांगीण विकास के लिए जरूरी है। ग्रामीण प्रतिभाओं को ऐसे आयोजन बेहतर मंच देते हैं।आयोजन को सफल बनाने में खेल शिक्षक महादेव महतो, मंच संचालक डॉ। पुरुषोत्तम कुमार सिंह,शिक्षक-शिक्षिकाओं और कर्मियों का योगदान रहा। समारोह के अंत में विजेताओं और प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दी गईं।

लावालौंग के गांवों में जल्द पहुंचेगी बिजली

चतरा : लंबे समय से बिजली की सुविधा का इंतजार कर रहे लावालौंग प्रखंड के ग्रामीणों के लिए बड़ी राहत की खबर सामने आई है। प्रखंड के कई गांवों में जल्द ही विद्युत आपूर्ति बहाल होने की उम्मीद जगी है। चतरा सांसद कालीचरण सिंह ने क्षेत्र भ्रमण के दौरान ग्रामीणों की समस्या को गंभीरता से लेते हुए झारखंड सरकार के मुख्य सचिव अविनाश कुमार से मुलाकात कर शीघ्र विद्युतीकरण की मांग रखी।सांसद की पहल के बाद मुख्य सचिव ने संबंधित मुख्य अभियंता को आवश्यक निर्देश देते हुए आगामी दो माह के भीतर चिन्हित गांवों में विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने को कहा है। सरकारी स्तर पर मिले इस आश्वासन के बाद वर्षों से बिजली का इंतजार कर रहे ग्रामीणों में खुशी का माहौल है।लावालौंग प्रखंड के सौरू, सिलदाग, बनवार, भूषाढ़, साम्भे, मंडवा, टीकदा, कटीलीमईयाँ, मन्धनिया और पासागन समेत कई गांव अब तक विद्युत सुविधा से पूरी तरह नहीं जुड़ पाए हैं। बिजली नहीं रहने के कारण ग्रामीणों को रोजमर्रा के कार्यों के साथ-साथ बच्चों की पढ़ाई में भी काफी परेशानी उठानी पड़ती है। शाम ढलते ही गांवों में अंधेरा छा जाने से लोगों की मुश्किलें और बढ़ जाती हैं। ग्रामीणों का कहना है कि यदि निर्धारित समय सीमा के भीतर बिजली गांवों तक पहुंचती है तो यह उनके लिए वर्षों पुरानी समस्या का स्थायी समाधान होगा। खासकर विद्यार्थियों और महिलाओं को इसका सीधा लाभ मिलेगा। बिजली आने से गांवों में शिक्षा, रोजगार और छोटे कारोबार के अवसरों को भी बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।सांसद कालीचरण सिंह की पहल को लेकर ग्रामीणों में सकारात्मक प्रतिक्रिया देखने को मिल रही है।

मौसम का बदलता मिजाज

दो दिन भारी बारिश-वज्रपात का अलर्ट, चलेंगी तेज हवाएं

राजधानी रांची में सुबह से ही छाये हैं बादल

संवाददाता

रांची : झारखंड में मौसम आंख मिचौली का खेल खेल रही है। राजधानी समेत कई जिलों में कभी बारिश तो कभी धूप निकल जा रहा है। रांची में आज सोमवार की सुबह से ही बादल छाए हैं। इस बीच मौसम विभाग ने कई जिलों में बारिश, मेघ गर्जन और वज्रपात की संभावना जताई है। कई इलाकों में भारी बारिश का भी अलर्ट जारी किया गया है। इस दौरान 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं भी चल सकती है।

मौसम विभाग के अनुसार, 31 अगस्त को राज्य के लगभग सभी हिस्सों में आसमान में बादल छाए रहेंगे। कई जगहों पर हल्की से मध्यम बारिश और मेघ गर्जन हो सकता है। सिमडेगा और पश्चिमी सिंहभूम में कहीं-कहीं भारी बारिश की संभावना है। इसके अलावा पूर्वी सिंहभूम, सरायकेला-खरसावां और राज्य के मध्य हिस्सों में भी भारी बारिश हो सकती है। मौसम विभाग ने पूरे राज्य में वज्रपात और तेज हवाओं को लेकर चेतावनी जारी की है। साथ ही लोगों को खराब मौसम में सतर्क रहने की सलाह दी गई है। आईएमडी की मानें तो 1 सितंबर को भी बारिश का दौर जारी रह सकता है। राज्य के कई इलाकों में हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है।

इस दिन भी वज्रपात और 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवा चल सकती है। सिमडेगा, पश्चिमी सिंहभूम, रांची, खूंटी, लोहरदगा और गुमला समेत कई इलाकों के लिए विशेष अलर्ट जारी किया गया है। वहीं 2 सितंबर से 5 सितंबर तक राज्य में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे और कुछ जगहों पर हल्की से मध्यम बारिश या मेघ गर्जन हो सकता है।

मौसम विभाग के अनुसार, आने वाले दिनों में अधिकतम तापमान में 2 से 3 डिग्री तक गिरावट आ सकती है। राजधानी रांची में 31 अगस्त को अधिकतम तापमान 27 डिग्री और न्यूनतम 22 डिग्री रहने का अनुमान है। वहीं 1 सितंबर को अधिकतम तापमान 28 डिग्री और न्यूनतम 23 डिग्री के आसपास रह सकता है।

अज्ञात महिला का शव मिलने से सनसनी

पहचान छिपाने के लिए चेहरे को पत्थर से कुचला गया

संवाददाता

खूंटी : जिले के रेवा गांव में एक अज्ञात महिला का शव मिलने से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। महिला का शव एकलव्य विद्यालय के मुख्य गेट से महज करीब 200 मीटर की दूरी पर स्थित खरवा गढ़ा खेत के नाले से बरामद किया गया। महिला की पहचान अब तक नहीं हो सकी है। जानकारी के अनुसार, शनिवार की शाम कुछ ग्रामीण खेत में मवेशी चरा रहे थे। इसी दौरान उनकी नजर नाले में पड़े एक महिला के शव पर पड़ी। ग्रामीणों ने इसकी जानकारी समाजसेवी लक्ष्मी बाखला को दी, जिसके बाद घटना की सूचना खूंटी पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही खूंटी पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस के साथ बड़ी संख्या में ग्रामीण भी

घटनास्थल पर जुट गए। पुलिस ने नाले से महिला का शव बरामद कर अपने कब्जे में लिया। शव की स्थिति को देखकर आशंका जताई जा रही है कि महिला की हत्या करीब दो से तीन दिन पहले की गई होगी। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि महिला के चेहरे को पत्थर से बुरी तरह कुचला गया है। आशंका है कि हत्या के बाद उसकी पहचान छिपाने के उद्देश्य से चेहरे को क्षत-विक्षत किया गया। प्रारंभिक अनुमान के अनुसार, मृतका की उम्र करीब 45 वर्ष के आसपास बताई जा रही है। हालांकि, महिला की पहचान और मौत के वास्तविक कारण की पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है। महिला की पहचान के लिए आसपास के गांवों और इलाकों में पूछताछ की जा रही है। पुलिस यह भी पता लगाने में जुटी है कि महिला वहां कैसे पहुंची और उसकी हत्या किन परिस्थितियों में की गई। फिलहाल अज्ञात महिला की पहचान और हत्या के पीछे के कारणों का खुलासा नहीं हो सका है। पुलिस मामले के हर पहलू की जांच कर रही है।

चतरा पुलिस द्वारा राष्ट्रीय खेल दिवस पर आयोजित खेल प्रतियोगिता का समापन

चतरा : राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर चतरा पुलिस द्वारा आयोजित दो दिवसीय खेल प्रतियोगिता का रविवार को शानदार समापन हुआ। इस प्रतियोगिता के तहत वॉलीबॉल, फुटबॉल और एथलेटिक्स जैसी तीन प्रमुख खेल स्पधाओं का आयोजन कराया गया था, जिसमें स्थानीय युवाओं और पुलिस की टीमों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।प्रतियोगिता का समापन रविवार को रोमांचक वॉलीबॉल मैच के साथ हुआ। फाइनल मुकाबला चतरा पुलिस और चतरा वॉलीबॉल एसोसिएशन की टीमों के बीच खेला गया।कांटे की टक्कर वाले इस खिताबी मुकाबले में चतरा वॉलीबॉल एसोसिएशन की टीम ने उत्कृष्ट तालमेल और शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए चतरा पुलिस की टीम को सीधे सेटों में 2-0 से हरा दिया। जीत दर्ज करने के साथ ही चतरा वॉलीबॉल एसोसिएशन ने ट्रॉफी अपने नाम कर ली।समापन समारोह के दौरान विजेता एवं उपविजेता टीमों को सम्मानित किया गया। चतरा पुलिस लाइन के सार्जेंट रविन्द्र कुमार ने कहा कि खेल दिवस के अवसर पर इस तरह के आयोजनों का मुख्य उद्देश्य पुलिस और आम जनता के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना तथा क्षेत्र के युवाओं को खेल के प्रति प्रोत्साहित करना है।

पुरुलिया-रांची रोड पर अनियंत्रित होकर पलटा ट्रेलर, चालक सुरक्षित

मुरीः पुरुलिया-रांची मुख्य मार्ग पर एक बड़ा हादसा होते-होते बचा। बॉक्साइट लदा एक ट्रेलर अनियंत्रित होकर सड़क के किनारे खाई में जा गिरा । ट्रेलर हिंडालको जा रहा था। गनीमत रही कि इस दुर्घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है और ड्राइवर सुरक्षित है। हादसे के बाद रोड पर जाम लग गया था। सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद जाम को हटाया गया और क्रेन की मदद से गाड़ी को बाहर निकाला गया। स्थानीय लोगों ने बताया कि इस रोड पर भारी वाहनों की रफ्तार काफी तेज रहती है और बरसात में फिसलन के कारण अक्सर ऐसी घटनाएं होती हैं।

35 बटालियन एसएसबी ने राष्ट्रीय खेल दिवस पर साइकिल रैली और क्रिकेट मैच का किया आयोजन

संवाददाता

चतरा : राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर 35 बटालियन सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) चतरा द्वारा 29 एवं 30 अगस्त को एक भव्य साइकिल रैली और मैत्रीपूर्ण क्रिकेट मैच का आयोजन किया गया। यह पूरा कार्यक्रम कार्यवाहक कमांडेंट एनेन्द्र मणि सिंह के कुशल दिशा-निर्देशन में संपन्न हुआ।राष्ट्रीय खेल दिवस अभियान के तहत आयोजित इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य आम नागरिकों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना और फिटनेस को उनकी दैनिक दिनचर्या में शामिल करने के लिए प्रेरित करना

था।कार्यक्रम के दौरान बल के जवानों और स्थानीय युवाओं ने खेलेगा भारत, जीतेगा भारत के गगनभेदी नारों के साथ उत्साहपूर्वक साइकिल रैली निकाली। रैली के माध्यम से लोगों को संदेश दिया गया कि वे फिटनेस और खेल को अपने जीवन का अभिन्न अंग बनाएं ताकि एक स्वस्थ समाज का निर्माण हो सके। साथ ही एक शानदार क्रिकेट मैच भी खेला गया, जिसमें जवानों और स्थानीय युवाओं ने अपना दमखम दिखाया। इस पूरे आयोजन में एसएसबी के सभी वरिष्ठ सैन्य अधिकारी, अधीनस्थ अधिकारी, बल के जवान, स्थानीय युवा और बच्चे मुख्य रूप से मौजूद रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों को अच्छे स्वास्थ्य और नियमित खेलकूद से जुड़े रहने की शपथ दिलाई गई।

ससुराल और मायके पक्ष के बीच हिंसक झड़प, महिला समेत सात घायल

दहेज की मांग पूरी नहीं होने पर मायके पक्ष ने ससुराल पत्रा पर लगाया मारपीट का आरोप

दोनों पक्षों ने हंटरगंज थाना में दिया आवेदन, चार घायलों को किया गया रेफर

संवाददाता

चतरा : जिले के हंटरगंज थाना क्षेत्र के पिंडरी गांव में रविवार को ससुराल और मायके पक्ष के लोगों के बीच विवाद के बाद जमकर हिंसक झड़प हो गई। देखते ही देखते मामूली विवाद ने तूल पकड़ लिया और दोनों पक्षों के बीच लाठी-डंडे चलने लगे। मारपीट की घटना में महिला समेत कुल सात लोग घायल हो गए।घायलों में ससुराल पक्ष से रामदेव

यादव,(60) संगीता कुमारी (17), पुनीता देवी(25) और गणेश यादव(20), जबकि मायके पक्ष से नीतीश यादव (28), सुरेश यादव (65) और शेखर कुमार (22) शामिल हैं। गंभीर रूप से घायल रामदेव यादव, नीतीश यादव, सुरेश यादव और शेखर कुमार को प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए गयाजी मगध मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर किया गया है। मायके पक्ष के घायलों में नीतीश यादव, पिता रामजी यादव, निवासी कारीहरा, सुरेश यादव, उम्र 65 वर्ष, पिता फकीरा यादव, निवासी कारीहरा तथा शेखर कुमार, उम्र 22 वर्ष, पिता कृष्ण यादव, निवासी नावाडीह, इमामगंज बताए गए हैं।बताया जाता है कि पवंती देवी की विदाई को लेकर विवाद शुरू हुआ। मायके पक्ष से सुरेश यादव अपनी पोती को लेने पिंडरी स्थित ससुराल पहुंचे थे। आरोप है कि ससुराल पक्ष ने पवंती देवी को विदा करने से इनकार कर दिया। इसी बात को लेकर दोनों पक्षों के बीच कहासुनी शुरू हुई और देखते ही देखते विवाद मारपीट में बदल गया।मायके पक्ष ने आरोप लगाया है कि दहेज की मांग पूरी नहीं होने को लेकर पवंती देवी के साथ मारपीट की गई, जिसके बाद मामला और बिगड़ गया। वहीं, ससुराल पक्ष ने भी मारपीट को लेकर अपना पक्ष रखते हुए हंटरगंज थाना में आवेदन दिया है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, विवाद बढ़ने के बाद दोनों पक्षों के बीच जमकर लाठी-डंडे चले। एक-दूसरे को पकड़कर घसीटने और मारपीट करने से मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। घटना में कई लोगों को चोटें आईं।घटना के बाद दोनों पक्षों की ओर से हंटरगंज थाना में आवेदन दिया गया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। दहेज संबंधी आरोपों समेत मारपीट की पूरी घटना की वास्तविकता पुलिस जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी।

शराब पार्टी के दौरान गोलीबारी युवक के पेट में लगी गोली, गंभीर

बरियातू थाना क्षेत्र स्थित मंडा बगीचा की घटना

मेट्रो रेज

रांचीः राजधानी रांची के बरियातू थाना क्षेत्र स्थित मंडा बगीचा में रविवार देर रात करीब दो बजे शराब पार्टी के दौरान गोलीबारी हुई। यह गोलीबारी किसी अपराधी ने नहीं शराब पीने के दौरान आपस में हुए विवाद के बाद हुई हैं। इस घटना में टोनी लोहरा नाम का युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। गोली युवक के पेट में लगी है। घायल युवक टोनी लोहरा मूल रूप से कमड़े (रातू) का रहने वाला है। घटना के तुरंत बाद स्थानीय लोगों और पुलिस की मदद से उसे रिम्स के ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया गया है, जहां उसकी हालत चिंताजनक बनी हुई है।

स्थानीय निवासियों के अनुसार, बरियातू का मंडा बगीचा इलाका असामाजिक तत्वों का अड्डा बनता जा रहा है। रविवार देर रात भी यहां कई युवक जमा होकर शराब पी रहे थे। इसी बीच किसी बात को लेकर आपसी विवाद बढ़ गया और अचानक गोली चलने की आवाज आई। जब तक आसपास के लोग मौके पर पहुंचते, तब तक घटना को अंजाम देकर अन्य युवक फरार हो चुके थे। घटना की सूचना मिलते ही सदर डीएसपी और बरियातू थाना प्रभारी दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने घटनास्थल का जायजा लिया और वहां से साक्ष्य जुटाए हैं। पुलिस मामले की जांच कर रही है और गोलीबारी में शामिल अन्य लोगों की पहचान के लिए संदिग्ध ठिकानों पर छापेमारी शुरू कर दी गई है।

कांके में स्कॉर्पियो ने ऑटो को मारी जोरदार टक्कर, 2 की स्थिति नाजुक

कांकेः थाना क्षेत्र के रांची-पतरातू मार्ग पर नगड़ी गांव के समीप सोमवार को सड़क दुर्घटना में स्कॉर्पियो ने ऑटो को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में ऑटो में सवार कई लोग घायल हो गये, जिनमें दो की स्थिति नाजुक बतायी जा रही है। घटना सोमवार सुबह करीब 11.30 बजे की है।

डिवाइडर से टकराकर दूसरी ओर चली गयी स्कॉर्पियोः मिली जानकारी के अनुसार, स्कॉर्पियो संख्या जेएच 01 एफएफ 8774 काफी तेज गति से कांके से पिठोरिया की ओर जा रही थी। नगड़ी चौक के समीप स्कॉर्पियो का चालक संतुलन खो बैठा और वाहन डिवाइडर से टकरा गया। टक्कर के बाद स्कॉर्पियो सड़क की दूसरी ओर चली गयी। इसी दौरान पिठोरिया से कांके की ओर आ रहे ऑटो संख्या जेएच 01 बीएन 4762 से स्कॉर्पियो की सीधी टक्कर हो गयी। हादसे में ऑटो में सवार कई लोगों को गंभीर चोटें आयी हैं। वहीं, दो घायलों की स्थिति नाजुक बतायी जा रही है।

ग्रामीणों ने घायलों को अस्पताल पहुंचायाः घटना के बाद मौके पर आसपास के ग्रामीण जुट गये। ग्रामीणों की मदद से घायलों को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया। सूचना मिलने पर पुलिस भी घटनास्थल पर पहुंची और दुर्घटनाग्रस्त दोनों वाहनों को जब्त कर थाना ले गयी। कांके पुलिस ने बताया कि घायलों के नाम और पूरी जानकारी अभी नहीं मिल पायी है। मामले की जांच की जा रही है।

चर्चित कोयला कारोबारी एलबी सिंह की पत्नी से ईडी की पूछताछ जारी

संवाददाता

रांचीः प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने चर्चित कोयला व्यापारी एलबी सिंह की पत्नी आरती सिंह से पूछताछ शुरू कर दी है। ईडी द्वारा जारी समन के आलोक में वह आज ईडी के रांची स्थित क्षेत्रीय कार्यालय में हाजिर हुई, जहां ईडी के अधिकारियों ने आवश्यक कागजी प्रक्रिया पूरी करने के बाद आरती सिंह से पूछताछ शुरू की।

गौरतलब है कि कोयला घोटाले में दूसरे चरण की छापेमारी

के दौरान ईडी ने 160 करोड़ रुपये के वित्तीय निवेश को फ्रीज कर दिया था। छापेमारी के दौरान मिले निवेश से संबंधित फ्रीज किये गये दस्तावेज में आरती सिंह के नाम पर किया गया निवेश भी शामिल है।

ईडी ने निवेश से संबंधित दस्तावेज के आधार पर आरती सिंह को इससे पहले दो बार समन जारी किया था। हालांकि वह दोनों बार पूछताछ के लिए हाजिर होने के बदले समय की मांग की थी। ईडी के तीसरे समन पर वह 31 अगस्त को पूछताछ के लिए हाजिर हुईं।

सात माह से मानदेय नहीं मिलने पर रिम्स के लॉन्ड्री स्टाफ आज हड़ताल पर

मेट्रो रेज

रांची : राजधानी के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल रिम्स के लॉन्ड्री स्टाफ 7 महीने से मानदेय नहीं मिलने पर आज हड़ताल पर रहेंगे। लॉन्ड्री स्टाफ के हड़ताल पर जाने से अस्पताल की साफ-सफाई व्यवस्था पर असर पड़ सकता है। खासकर ऑपरेशन थिएटर का काम प्रभावित होने की आशंका है। अस्पताल में ऑपरेशन के लिए जरूरी कपड़े और अन्य सामान की सफाई लॉन्ड्री के जरिए होती है।

कर्मचारियों का कहना है कि मानदेय नहीं मिलने की जानकारी कई बार रिम्स प्रबंधन को दी गई।

इसके बावजूद अब तक समस्या का समाधान नहीं हुआ है। कर्मचारियों के अनुसार, लंबे समय से भुगतान नहीं होने के कारण उन्हें आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इसी वजह से लॉन्ड्री स्टाफ ने आज काम ठप रखने का निर्णय लिया है।

कर्मचारियों का कहना है कि जब तक उनके बकाया मानदेय को लेकर कोई ठोस पहल नहीं होती, तब तक उनकी परेशानी बनी रहेगी।

कतरास में धंसी जमीन, घर के पास बने गोफ में गिरा मवेशी

बीसीसीएल की अनदेखी पर भड़के लोग

संवाददाता

धनबादः जिले में लगातार हो रही बारिश और बीसीसीएल की अनदेखी के बीच कोयलांचल में जमीन धंसने का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। सोमवार को कतरास थाना क्षेत्र के लकड़का 6 नंबर चाणक के समीप अचानक जोरदार आवाज के साथ जमीन धंस गई।

घर के ठीक बगल में गहरा गोफ बनने से एक मवेशी उसमें जा गिरा। हादसे के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई और मौके पर स्थानीय लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। स्थानीय लोग अपने स्तर से मवेशी को सुरक्षित निकालने में जुट गए।

घर के बगल में जमीन धंसने से दहशत में लोग : मकान के बिल्कुल करीब गोफ बनने से आसपास रहने वाले परिवारों में भारी दहशत है। बारिश के कारण जमीन के और धंसने का खतरा बना हुआ है, जिससे स्थानीय निवासी किसी बड़े हादसे की आशंका जता रहे हैं।

बीसीसीएल प्रबंधन पर फूटा गुस्साः घटना की सूचना देने के बाद भी बीसीसीएल का कोई अधिकारी मौके पर नहीं पहुंचा। अधिकारियों की इस लापरवाही से ग्रामीणों में गहरा आक्रोश है। लोगों का आरोप है कि कोलियरी क्षेत्र में ऐसी घटनाएं लगातार हो रही है। लेकिन सुरक्षा के कोई पुख्ता इंतजाम नहीं किए जा रहे हैं। ग्रामीणों ने तत्काल घटनास्थल का निरीक्षण करने, गोफ की बैरिकेडिंग कराने और सुरक्षित स्थानों पर लोगों को स्थानांतरित करने की मांग की है।

पहले भी हो चुकी हैं कई घटनाएंः कतरास क्षेत्र में भू-धंसान का यह कोई पहला मामला नहीं है। इससे पहले छाताबाद, सलेक्टेड गोविंदपुर और काजूबगान जैसे इलाकों में भी जमीन धंसने से बड़े गोफ बन चुके हैं, जिससे स्थानीय प्रशासन की कार्यशैली पर लगातार सवाल उठा रहे हैं।

रिम्स में एमबीबीएस नामांकन का दूसरा दिन, 180 सीटें बढ़कर हुईं 250

रांचीः रिम्स में एमबीबीएस की 250 सीटों पर नामांकन का दूसरा दिन है। इस वर्ष सीटों में 70 की बढ़ोतरी की गई है, जिससे अधिक छात्रों को मेडिकल की पढ़ाई का अवसर मिलेगा। वर्तमान में सामान्य और ईडब्ल्यूएस श्रेणी के छात्रों का दाखिला लिया जा रहा है।

रांची। रिम्स में एमबीबीएस की 250 सीटों पर नामांकन प्रक्रिया का आज दूसरा दिन है। बुधवार को भी सामान्य श्रेणी और ईडब्ल्यूएस के विद्यार्थियों का नामांकन लिया जा रहा है। कॉलेज प्रशासन की ओर से नामांकन प्रक्रिया को लेकर आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली गयी हैं।

70 सीटों की हुई है बढ़ोतरीः बताते चलें कि इस साल रिम्स में एमबीबीएस की सीटों में 70 की बढ़ोतरी की गयी है। पहले रिम्स में एमबीबीएस की 180 सीटें थीं, जिसे बढ़ाकर अब 250 कर दिया गया है। सीटों में बढ़ोतरी से मेडिकल की पढ़ाई के लिए अधिक विद्यार्थियों को अवसर मिलेगा।

जयराम महतो ने धनबाद सिविल कोर्ट में अग्रिम जमानत याचिका किया दाखिल

धनबादः डुमरी के विधायक और जेएलकेएम के अध्यक्ष जयराम महतो ने धनबाद सिविल कोर्ट में अग्रिम जमानत याचिका दाखिल की है। विधायक के साथ-साथ तीन अन्य आरोपियों सुशील मंडल उर्फ सुशील कुमार, महेंद्र साव और राजकुमार मंडल ने भी अपनी अग्रिम जमानत की अर्जी दी है। तीनो आरोपियों की अग्रिम जमानत याचिका को सोमवार को एमपी- एमएलए की विशेष कोर्ट में सुनवाई के लिए ट्रांसफर कर दिया गया है। एमपी-एमएलए की विशेष कोर्ट अब इस मामले में मंगलवार को सुनवाई करेगा।

क्या है मामला ? : दरअसल बरवाअड्डा की बड़ा पिछरी पंचायत की मुखिया यशोदा देवी ने झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा नेता गणेश दास पर आरोप

लगाया था कि उन्होंने मुखिया के फर्जी पैड, मुहर और हस्ताक्षर का इस्तेमाल किया है। 21 अगस्त को पुलिस गणेश दास को नोटिस देने उनके घर पहुंची, जहां तीखी बहस और गाली-गलौज की स्थिति बन गई। इसके बाद पुलिस ने गणेश दास को हिरासत में लेकर जेल भेज दिया। गणेश दास की गिरफ्तारी के विरोध में 21 अगस्त को ही बरवाअड्डा थाना परिसर में विधायक जयराम महतो और मुखिया समर्थकों के बीच तीखी बहस और हाथापाई हो गई।

काम में बाधा डालने के आरोप में पुलिस ने की कार्यवाई : घटना के बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए पहली प्राथमिकी विवाद के बाद दर्ज की जबकि दूसरी एफआईआर थाना प्रभारी की शिकायत पर विधायक जयराम महतो, 10 नामजद और 40-50 अज्ञात लोगों के खिलाफ सरकारी काम में बाधा डालने के आरोप में दर्ज की गई। विधायक और थाना प्रभारी के बीच बहस का एक ऑडियो वायरल हुआ था। जयराम महतो का आरोप है कि थाना प्रभारी ने ऑडियो को एडिट कर वायरल किया है। कोर्ट द्वारा केस डायरी मांगे जाने के बाद जयराम महतो को अग्रिम बेल के लिए अगली सुनवाई तक इंतजार करना पड़ेगा।

साइबर क्राइमः जगुआर जवान से लाखों की ठगी, प्राथमिकी दर्ज

मेट्रो रेज

रांचीः साइबर अपराधियों का जाल इतना अधिक फैल गया है कि आम आदमी क्या अब तो सुरक्षाकर्मियों को अपना शिकार रहे हैं, इसी क्रम में ठगों ने झारखंड की राजधानी रांची में तैनात झारखंड जगुआर (एसटीएफ) के एक जवान जय शंकर यादव को अपना शिकार बनाया है। साइबर अपराधियों ने बीमा पॉलिसी के नाम पर दस्तावेजों और बैंक खातों पर निशाना साधा और जवान के खाते से 1,00,001 रुपये की अवैध निकासी कर ली। जब जवान को लगा कि वह ठगी का शिकार हो गया है,उसने तुरंत इसकी जानकारी केंद्रीय साइबर अपराध को दी और साइबर थाना में प्राथमिकी दर्ज कराया।

क्या है पूरा मामला : बलिया (उत्तर प्रदेश) के मूल निवासी और वर्तमान में रांची के टेंडर ग्राम स्थित झारखंड जगुआर (एसटीएफ) एजी-15 (असॉल्ट ग्रुप-15) में पदस्थापित जवान जय शंकर यादव को गत 26 जून और 01 जुलाई के बीच कुछ संदिग्ध नंबरों से कॉल्स और मैसेज प्राप्त हुए थे। ठगों ने उन्हें पॉलिसी जमा करने और रिन्यूवल के नाम पर अपने झांसे में लिया और खाते से बड़ी रकम उड़ा ली।

साइबर क्राइम थाना में प्राथमिकी दर्जः जब जवान को अपने साथ हुई धोखाधड़ी का अहसास हुआ, तो उन्होंने बिना देर किए साइबर क्राइम थाना में प्राथमिकी दर्ज कराया। साथ ही साइबर पुलिस और बैंक अधिकारियों से यह अनुरोध किया गया है कि वे इस ट्रांजेक्शन की कड़ियों को खंगालते हुए आरोपियों के बैंक खातों को फ्रीज कराएं और उचित कानूनी कार्रवाई करें ताकि ठगों के इस गिरोह पर से पर्दा उठाया जा सके। साइबर सेल की सलाह है कि कभी भी फोन पर किसी अनजान व्यक्ति को अपनी बैंक डिटेल्स, पॉलिसी की जानकारी या ओटीपी शेयर न करें।

अब फसल बीमा के लिए किसान आईडी अनिवार्य, बिना आईडी नहीं मिलेगा लाभ - कागजी प्रक्रिया होगी पेपरलेस

रांचीः फसल बीमा की व्यवस्था को अधिक सरल, पारदर्शी और डिजिटल बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। अब फसल बीमा के लिए किसान आईडी को अनिवार्य किया जा रहा है। भारत सरकार के निदेशक (फसल बीमा) चंद्रजीत चटर्जी ने सभी राज्यों के मुख्य सचिव, कृषि सचिव और कृषि निदेशकों को इसकी जानकारी दी है। कहा है कि किसान आईडी अनिवार्य होने का सबसे बड़ा फायदा वास्तविक किसानों को मिलने की उम्मीद है।

किसान की पहचान स्पष्टः इसके माध्यम से किसान की पहचान को डिजिटल व्यवस्था से जोड़ा जा सकेगा। इससे फसल बीमा में गलत तरीके से शामिल होने वाले या गलत पहचान के आधार पर बीमा कराने वाले लोगों को बाहर करने में मदद मिलेगी। व्यवस्था में किसान की पहचान स्पष्ट होने से बीमा प्रक्रिया की दक्षता भी बढ़ने की संभावना है। एग्रीस्टैक स्कीम के तहत किसानों का पहचान पत्र बनाया जा रहा है। इसमें एक-एक किसान की पूरी विवरणी उपलब्ध रहेगी।

कागजी प्रक्रिया होगी आसानः नई व्यवस्था का एक महत्वपूर्ण पहलू यह है कि वास्तविक किसानों को फसल बीमा कराने के लिए अलग-अलग कागजी दस्तावेज जुटाने की जरूरत नहीं

होगी। किसान आईडी के आधार पर पंजीकरण को पेपरलेस बनाने की दिशा में काम किया जा रहा है। इससे किसानों को बीमा के लिए आवेदन करते समय दस्तावेज तैयार करने और जमा करने की प्रक्रिया से राहत मिल सकती है।

डिजिटल सेवाओं की नींव बनेगी किसान आइडीः किसान आईडी को केवल फसल बीमा तक सीमित व्यवस्था के रूप में नहीं देखा जा रहा है। इससे कृषि क्षेत्र में डिजिटल सेवाओं के कई दूसरे उपयोग भी विकसित किए जा सकते हैं। संबंधित चर्चा में किसान आईडी को एग्रीस्टैक के लाइव उपयोग से जोड़ने की संभावना भी सामने आयी है। इससे किसान-केंद्रित डिजिटल सेवाओं को अधिक प्रभावी तरीके से उपलब्ध कराने में मदद मिल सकती है। किसान आइडी के माध्यम से भविष्य में किसान से संबंधित विभिन्न सेवाओं को एक डिजिटल पहचान से जोड़ने की संभावना बनती है। सेवाओं की अधिक लक्षित और पारदर्शी डिलीवरी की दिशा में महत्वपूर्ण आधार बताया गया है।

एफपीओ से जोड़ने की भी संभावनाः किसान आइडी के उपयोग को किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) के डेटाबेस से जोड़ने की संभावना पर भी चर्चा हुई है। इससे एफपीओ के स्तर पर किसान संबंधी डिजिटल रिकॉर्ड तैयार करने और आगे विभिन्न डिजिटल उपयोगों को सक्रिय करने में मदद मिल सकती है।

सूक्ति

सबसे प्रेम करो, कुछ पर विश्वास करो
अन्याय किसी के साथ मत करो : शेक्सपियर

मोबाइल के हाथ में न जाने दें बचपन

दुनिया के कई देश बच्चों के स्क्रीन टाइम, सोशल मीडिया और ऑनलाइन सुरक्षा को लेकर नियम कड़े कर रहे हैं। यह इस बात का संकेत है कि डिजिटल लत का बचपन पर मंडरा रहा खतरा बढ़ता ही जा रहा है। आज का बच्चा खेल मैदान से ज्यादा मोबाइल की स्क्रीन पर आंखें गड़ाए दिखाई देता है। छत्तीसगढ़ के रायपुर एम्स से जुड़ी यह खबर चिंतित करने वाली है, जिसमें बताया गया है कि वहां इलाज के लिए आ रहे100 में से 12 बच्चे मनोरोग के शिकार हैं, जो मोबाइल गेम की लत लगने के बाद उपचारधीन हैं। मोबाइल और ऑनलाइन गेम बच्चों के मनोरंजन तक ही सीमित नहीं रहे, बल्कि उनके व्यवहार, पढ़ाई और पारिवारिक संबंधों को भी प्रभावित करने लगे हैं। स्कूली बच्चों से लेकर 20 वर्ष तक के किशोरों में मोबाइल पर बढ़ती ऐसी निर्भरता चिंता का विषय बन रही है। ऑनलाइन गेम की सबसे बड़ी खासियत तुरंत परिणाम होती है। कुछ ही सेकंड में जीत, हार, इनाम, अगला लेवल और लगातार मिलने वाला रोमांच बच्चे के दिमाग को तत्काल संतुष्टि का आदी बना सकता है। समस्या तब पैदा होती है, जब यही आदत वास्तविक जीवन में भी तुरंत परिणाम की अपेक्षा पैदा करने लगती है। पढ़ाई में मेहनत, सफलता के लिए इंतजार और विफलता को स्वीकार करना मुश्किल लगने लगता है। मनचाही चीज न मिलने पर चिड़चिड़ापन, जिद और गुस्सा बढ़ सकता है। मोबाइल हटाने या गेम बंद करने को लेकर माता-पिता और बच्चों के बीच बहस आम होती जा रही है। कई बार संवाद की जगह विवाद ले लेता है। जिस मोबाइल से दुनिया को जोड़ने का दावा किया गया था, वही कई घरों में माता-पिता और बच्चों के बीच दूरी बढ़ा रहा है। अत्यधिक स्क्रीन टाइम से नींद की कमी, सामाजिक अलगाव और लगातार डिजिटल उत्तेजना जैसी समस्याएं भी बढ़ सकती हैं। ऐसे में बच्चे के व्यवहार में गंभीर बदलाव दिखाई दें तो उसे केवल 'जिद' मानकर नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। हालांकि समाधान मोबाइल पूरी तरह छीन लेने में भी नहीं है। जरूरत तकनीक से दूरी बनाने की नहीं, उसके इस्तेमाल में संतुलन पैदा करने की है। इसके लिए माता-पिता को बच्चों के साथ अधिक समय बिताना होगा। उनसे बातचीत करनी होगी, उनके साथ खेलना होगा और उनकी दुनिया को समझना होगा। मोबाइल बंद करने का आदेश देने से ज्यादा प्रभावी है कि घर में संवाद और सहभागिता का माहौल बनाया जाए।ब च्चों के लिए स्क्रीन टाइम की स्पष्ट सीमा तय हो, सोने से पहले मोबाइल से दूरी हो और रचनात्मक गतिविधियों के लिए पर्याप्त समय निकाला जाए। बचपन को स्क्रीन का कैदी बनने से बचाना केवल माता-पिता की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि पूरे समाज की जिम्मेदारी है। तकनीक आज की जरूरत है, लेकिन सुरक्षित बचपन उससे कहीं ज्यादा जरूरी है। जरूरत हो तब ही मोबाइल बच्चे के हाथ में रहे, लेकिन बचपन मोबाइल के हाथ में नहीं जाना चाहिए।

पुलिस की छवि सुधार में एडवाइजरी ही काफी नहीं

जंतर-मंतर आंदोलन के दौरान आंदोलनकारियों से पुलिस के मनमाने बर्ताव के वीडियो व मीम वायरल होने के बाद दिल्ली पुलिस को केंद्रीय जांच एजेंसियों की ओर से जारी एडवाइजरी में पुलिस को मददगार की छवि के साथ पेश आने के लिए कहा गया है। पुलिस को हर हाथ के मोबाइल में मौजूद कैमरों से सतर्क रहने की यह नसीहत पुलिस की छवि सुधार का एक प्रयास हो सकती है। यह इसलिए भी कि आज एक छोटा-सा वीडियो क्लिक या मीम पूरी पुलिस संस्था की छवि पर विपरीत असर डालने वाला हो सकता है। इस एडवाइजरी के पीछे यह डर भी छिपा है कि डिजिटल युग में पुलिस की हर गतिविधि रिकॉर्ड ही नहीं, बल्कि पल भर में सार्वजनिक भी हो सकती है। इसी संभावना को देखते हुए पुलिस से शालीन और संयत बर्ताव की अपेक्षा की गई है।

सबसे बड़ा सवाल यही है कि हमारी पुलिस की छवि आखिर 'ऑफ कैमरा' भी ऐसी क्यों न रहे जैसी उससे 'ऑन कैमरा अपेक्षित है। अनावश्यक बल प्रयोग यानी डंडे का जोर, खुद ही फैसला करने की मानसिकता और मनमाने बर्ताव वाली पुलिस की कार्यशैली से जुड़े किस्से जब भी सामने आते हैं तो समूचे पुलिस बेड़े की छवि पर इसका असर पड़ता है। यह सच है कि अपराधों की रोकथाम के लिए उसे अपराधियों के प्रति सख्त रवैया अपनाना ही पड़ता है। लेकिन यह सख्ती जब क्रूरता में तब्दील होती दिखे तो फिर पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठना लाजिमी है। कैमरे के सामने शांत रहने वाली पुलिस जब कैमरे के पीछे कठोर व संवेदनहीन बर्ताव करती नजर आएगी तो इस विरोधाभास से तो आमजन में छवि धूमिल ही होगी। जाहिर है, सिर्फ इस तरह की एडवाइजरी से ही पुलिस की छवि में सुधार नहीं होगा, बल्कि पुलिस सुधार के उन उपायों पर भी अमल करना होगा, जो कई कमेटियों की सिफारिशों के रूप में ठंडे बस्ते में चली गई हैं। पुलिस को 'आम जन में विश्वास और अपराधियों में भय के ध्येय वाक्य के साथ काम करना होता है लेकिन आमजन पुलिस से भयभीत होने लगे तो चिंता होना स्वाभाविक है। इसमें दोराय नहीं कि हमारे यहां ईमानदार और खुद की जान पर खेलकर लोगों की रक्षक बनने वाली पुलिस के किस्से भी होते हैं। इसके उलट बेकसूरों पर वर्दी का रौब दिखाने वालों का क्रूर चेहरा भी गाहे-बगाहे सामने आ ही जाता है। पूछताछ, जांच और गिरफ्तारी जैसे संवेदनशील क्षणों में पुलिस का संयमित और मानवीय व्यवहार ही जनता में भरोसा जगाने वाला होता है। दिल्ली पुलिस के लिए जारी एडवाइजरी समूचे देश के पुलिस तंत्र पर लागू होनी चाहिए। इस जरूरत के साथ कि पुलिस सदैव अपनी छवि के लिए सजग रहे। कानून व्यवस्था और जनता में भरोसा बनाए रखना ही उसकी प्राथमिकता हो।

बदलती जलवायु से पौधों के प्राकृतिक आवास पर संकट

'फिर जलवायु परिवर्तन से वेलकम ट्रस्ट और क्लाइमेट ओपिनियन रिसर्च के अध्ययन द्वारा सेहत पर होने वाले भयावह खतरे की चेतावनी ने चिंता को और बढ़ा दिया है कि जलवायु परिवर्तन अब केवल पर्यावरण की चिंता नहीं रह गया है, बल्कि यह अब लोगों के शरीर, उनकी सांस, उनके बच्चों की सेहत की चिंताओं तक पहुंच गया है।'

ज्ञानेन्द्र रावत

जलवायु परिवर्तन अब न केवल बच्चों का भविष्य छीन रहा है, लोगों में अकेलापन बढ़ा रहा है, महिलाओं पर गंभीर असर डाल रहा है, मानव स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डाल रहा है, बल्कि दुनिया की बहुमूल्य धरोहरों के अस्तित्व के संकट को बढ़ा रहा है। वह दुनिया की हजारों पौध-प्रजातियों के घर ही नहीं छीन रहा, उन पर विलुप्ति का खतरा भी मंडराने लगा है। दुनिया के हालिया शोध और अध्ययन इन तथ्यों को प्रमाणित करते हैं। सबसे बड़ी चिंता इस बात की है कि यदि जलवायु परिवर्तन की रफ्तार यही बरकरार रही तो इस सदी के आखिर तक दुनिया की हजारों पौध-प्रजातियां अपने प्राकृतिक आवास के बड़े हिस्से से न केवल महरूम हो जाएंगी, बल्कि बहुतेरी पौध-प्रजातियां विलुप्ति के कगार तक पहुंच जाएंगी।

हालात इतने खराब हो गए हैं कि जलवायु परिवर्तन के चलते 7 से 16 फीसदी पौधे ऐसे हैं जो अपने रहने की 90 फीसदी से भी ज्यादा जगह खोने के कगार पर हैं। सच कहा जाए तो अब वे विलुप्ति के कगार पर पहुंच गए हैं। इसका असर इंसानों पर पड़े बिना नहीं रहेगा। देखा जाए तो किसी पौधे का आवास केवल जमीन का एक हिस्सा नहीं होता। बल्कि वह तापमान, बारिश, मिट्टी, नमी, छाया और पर्यावरणीय संतुलन जैसी बहुतेरी परिस्थितियों का मेल होता है। जलवायु परिवर्तन इन सारी चीजों को बहुत ही तेजी से बदल रहा है। यही वजह है कि पौधे अपने अस्तित्व की खातिर अपने लिए उपयुक्त मौसम का पीछा करने की कोशिश कर रहे हैं। तापमान बढ़ने से पेड़-पौधों की बहुतेरी प्रजातियां पर्वतीय इलाकों में ऊंचाई की ओर या फिर ठंडे इलाकों की ओर रुख कर रही हैं। देश का हिमालयी अंचल इसका जीता-जागता उदाहरण है जहां तापमान वृद्धि के चलते पौधे पहाड़ों की ऊंचाई की ओर बढ़ रहे हैं। यह हिमालयी पारिस्थितिक तंत्र में आ रहे बदलावों का एक प्रमुख संकेतक है। यहां लद्दाख से लेकर भूटान तक हिमालय के छह अलग-अलग क्षेत्रों में वनस्पति की सीमा ऊपर की ओर खिसकी है। यह माउंट एवरेस्ट के घर खुंबू में सालाना 1.42 मीटर से लेकर नेपाल के मानथांग में 6.95 मीटर तक रही है। गौरतलब है कि यह इलाका जो बर्फ कम होने और अधिक गर्मी के कारण पहले सालभर बर्फ से ढका रहता था, अब पौधों के उगने के लिए अनुकूल होता जा रहा है। यहां इस तथ्य को नकारा नहीं जा सकता कि अल्पाइन इलाके में कठोर वातावरण है, जो छोटे पौधों और लकड़ी की झाड़ियों द्वारा नियंत्रित होता है। लेकिन जलवायु परिवर्तन के कारण यहां हिमालय में स्थितियां तेजी से बदल रही हैं और सभी क्षेत्र में वनस्पति रेखा लगातार ऊपर की ओर बढ़ रही है। दावे कुछ भी किए जाएं दुनियाभर के शोधों-अध्ययनों का निष्कर्ष और हकीकत यह है कि मौजूदा हालात को देखते हुए जलवायु परिवर्तन को रोकने की कोशिशें नाकाफी हैं और यह भी सच है कि जलवायु परिवर्तन का संकट दिनोंदिन विकराल होता जा रहा है। वैश्विक तापमान को अगले 100 वर्षों में 1.5 डिग्री सेल्सियस से ऊपर नहीं बढ़ने देने का लक्ष्य हासिल कर लेने के बावजूद विश्व के संवेदनशील क्षेत्रों को जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों से बचा पाना आसान नहीं होगा। आर्कटिक और दक्षिण पूर्व एशियाई मानसून जैसे क्षेत्रों को होने वाली अपरिवर्तनीय क्षति से रोक पाना दुष्कर कार्य है।

ऐसी स्थिति में भारत को विभिन्न क्षेत्रों के लिए अपने उत्सर्जन लक्ष्य नए सिरे से तय करने की जरूरत है। जबकि क्लाइमेट ट्रांसपेरेंसी की रिपोर्ट की मानें तो 2030 तक भारत के ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन में भी करीब करीब दोगुने की बढ़ोतरी होने की आशंका है। फिर जलवायु परिवर्तन से वेलकम ट्रस्ट और क्लाइमेट ओपिनियन रिसर्च के अध्ययन द्वारा सेहत पर होने वाले भयावह खतरे की चेतावनी ने चिंता को और बढ़ा दिया है कि जलवायु परिवर्तन अब केवल पर्यावरण की चिंता नहीं रह गया है, बल्कि यह अब लोगों के शरीर, उनकी सांस, उनके बच्चों की सेहत की चिंताओं तक पहुंच गया है। इसलिए जीवन शैली में बदलाव समय की महती आवश्यकता है।

महंगाई नियंत्रण की कारगर रणनीति जरूरी

'प्याज, टमाटर और आलू की बढ़ती कीमतों पर अंकुश लगाने के लिए नाफेड जैसे सरकारी संगठनों के माध्यम से उपभोक्ताओं को रियायती दरों पर सीधी बिक्री बढ़ाई जानी होगी। आवश्यक वस्तुओं की जमाखोरी रोकने के लिए व्यापारियों के स्टॉक सीमाओं की सख्त निगरानी आवश्यक होगी।'

डा. जयंती लाल भंडारी

इन दिनों महंगाई पर प्रकाशित हो रही राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय रिपोर्टों में भारत में महंगाई बढ़नें से आम आदमी के जीवन की मुश्किलें बढ़ने संबंधी चिंताएं प्रस्तुत की जा रही हैं। हाल ही में 27 अगस्त को क्रेडिट रेटिंग एजेंसी एस एंड पी ग्लोबल ने मध्य पूर्व में जारी तनाव के कारण ऊंची ऊर्जा कीमतों और अल नीनो से प्रभावित कमजोर मानसून की चुनौतियों की वजह से चालू वित्त वर्ष 2026-27 में भारत में खुदरा महंगाई (सीपीआई) के बढकर 5.1 प्रतिशत तक पहुंचने का अनुमान जताया है। भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति सहित प्रमुख आर्थिक एजेंसियों ने भारत में खुदरा महंगाई बढ़नें की चेतावनी दी है। एचडीएफसी बैंक ने सितंबर से खुदरा महंगाई दर लगातार 5 प्रतिशत से ऊपर रहने का अनुमान लगाया है। ऑक्सफोर्ड इकोनॉमिक्स व जेपी मॉर्गन ने खाद्य और कच्चे तेल की बढ़ती लागत के कारण महंगाई में और वृद्धि की चिंता जाहिर की है। एसबीआई इकोव्रैप रिपोर्ट के मुताबिक भारत में जो खुदरा महंगाई अगस्त में 4.7 प्रतिशत अनुमानित है, वह अक्टूबर-नवंबर में 6 प्रतिशत के पार पहुंच सकती है। ऐसे में सरकार के द्वारा महंगाई नियंत्रण के और अधिक कारगर रणनीतिक कदम जरूरी दिखाई दे रहे हैं। उल्लेखनीय है कि अगस्त 2026 में भारतीय बाजार में खाद्य वस्तुओं की कीमतों में भारी उछाल दर्ज किया गया है। मौसम की अनिश्चितता और फसल प्रभावित होने से चीनी के खुदरा भाव ऊंचाई पर पहुंच गए हैं।

सीमित आपूर्ति के कारण प्याज के दाम पिछले साल की तुलना में तेजी से बढ़े हैं। इसके अलावा सरसों तेल, रिफाइंड तेल और दालों के दाम भी ऊंचे स्तर पर बने हुए हैं। त्योहारों के मौसम में मांग बढ़नें, चारे की लागत और परिवहन खर्च में वृद्धि के कारण दूध, मिठाइयों, पैकबंद खाद्य पदार्थों और पैक्ड चाय की कीमतों में और बढ़ोतरी होने की आशंका जताई जा रही है। यह परिदृश्य स्पष्ट संकेत देता है कि कमजोर मानसून और आवश्यक वस्तुओं की बढ़ती कीमतें आने वाले महीनों में आम नागरिक के बजट पर अतिरिक्त दबाव डाल सकती हैं। हाल ही में राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक देश में जुलाई महीने में खुदरा महंगाई दर बढकर 4.45 प्रतिशत हो गई है, जो जून में 4.38 प्रतिशत थी। यह आंकड़ा भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के 4 प्रतिशत के तय लक्ष्य से ऊपर बना हुआ है। महंगाई में इस बढ़ोतरी की मुख्य वजह खाद्य पदार्थों की बढ़ती कीमतें हैं। निश्चित रूप से खाद्य वस्तुओं की बढ़ती महंगाई के कारण आम आदमी की थाली महंगी हो गई है। जीवन निर्वाह लागत बढ़ गई है। क्रिसिल की अगस्त 2026 की रिपोर्ट के अनुसार जुलाई 2026 में घर पर बनने वाली शाकाहारी थाली की औसत लागत सालाना आधार पर 4 प्रतिशत बढकर 29.1 रुपए हो गई। यह पिछले 7 महीनों का उच्चतम स्तर है। वहीं, मांसाहारी थाली की कीमत 9 प्रतिशत बढकर 58.3 रुपए पर पहुंच गई। थाली महंगी होने का मुख्य कारण प्याज, खाद्य तेल और रसोई गैस की दरों में वृद्धि है। इस परिप्रेक्ष्य में महत्वपूर्ण है कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने मौद्रिक नीति समिति की बैठक के बाद देश में महंगाई, आर्थिक स्थिति और सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि से जुड़ी तस्वीर पेश करते हुए कहा कि वैश्विक आर्थिक उथल-पुथल और कमजोर मानसून की चुनौतियों के बीच भी भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूती के साथ दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बनी हुई है। रिजर्व बैंक ने चालू वित्त वर्ष के लिए उपभोक्ता मूल्य सूचकांक पर आधारित महंगाई का अनुमान 5.0 प्रतिशत कर दिया है। जहां खाद्य वस्तुओं के क्षेत्र में महंगाई में कुछ वृद्धि के संकेत हैं, वहीं अन्य क्षेत्रों में महंगाई बढ़नें के संकेत नहीं हैं। रिजर्व बैंक ने यह भी कहा है कि आने वाले दिनों में मानसून, अल नीनो और पश्चिम एशिया के संघर्ष की वजह से खाने-पीने की वस्तुएं और ईंधन महंगे हो सकते हैं। निःसंदेह अब ऊंची ऊर्जा लागत, अल नीनो और कमजोर मानसून के कारण महंगाई की चिंता बढ़ती जा रही है।

इससे कृषि पर मंडराता खतरा भी दिखाई दे रहा है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के मुताबिक जून-सितंबर के बीच देश में सामान्य वर्षा के मुकाबले लगभग 15 प्रतिशत की कमी अनुमानित की गई है। इस स्थिति के पीछे अल-नीनो प्रभाव को मुख्य कारण माना जा रहा है, जिसने मानसून की गति को धीमा कर दिया है। शुरूआत में कम बारिश और मिट्टी में नमी की कमी के कारण इस वर्ष खरीफ फसलों की बुआई का कुल रकबा प्रभावित हुआ है। विशेष रूप से धान, सोयाबीन और दलहन जैसी फसलों का बुआई क्षेत्र पिछले साल की तुलना में सिकुड़ गया है। जिन क्षेत्रों में सिंचाई के पर्याप्त साधन नहीं हैं, वहां फसलों के सूखने का जोखिम काफी बढ़ गया है। बारिश की लगातार कमी से मिट्टी में नमी का स्तर घट रहा है। इससे न केवल कुल खाद्यान्न उत्पादन घट सकता है, बल्कि किसानों की आय प्रभावित होने से ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर भी प्रतिकूल दबाव पड़ सकता है। यहां यह उल्लेखनीय है कि सरकार द्वारा जुलाई की शुरूआत से लेकर अब तक महंगाई नियंत्रण के लिए बहुआयामी रणनीतिक कदम उठाए गए हैं। हाल ही में खाद्य और ईंधन की बढ़ती कीमतों के कारण खुदरा मुद्रास्फीति में तेजी के कारण आर्थिक दबाव से आम जनता को राहत देने और बाजार में स्थिरता बनाए रखने के लिए सरकार तथा भारतीय रिजर्व बैंक ने व्यावहारिक रणनीतियां अपनाई हैं। खाद्य पदार्थों और ईंधन के दामों को नियंत्रित करने के लिए आवश्यक वस्तुओं के राष्ट्रीय बफर स्टॉक का उपयोग किया जा रहा है। बाजार में शक्कर, प्याज और अन्य कृषि उत्पादों की आपूर्ति बढ़ाकर कीमतों को थामने का सीधा प्रयास किया जा रहा है। कांदा एक्सप्रेस की उपयोगिता दिखाई दे रही है।

वित्तीय बाजार में नकदी के संतुलन को बनाए रखने और अत्यधिक मांग से मूल्य वृद्धि रोकने के लिए केंद्रीय बैंक ने मौद्रिक समीक्षा के तहत नकदी प्रवाह पर सख्त नियंत्रण रखा है। दक्षिण-पश्चिम मानसून की प्रगति और फसलों की बुआई की लगातार समीक्षा की जा रही है, ताकि आने वाले समय में खाद्यान्न की कमी न हो और कीमतों में उछाल को रोका जा सके। वैश्विक भू-राजनीतिक तनावों से ईंधन और आयातित वस्तुओं पर पड़ने वाले प्रतिकूल प्रभाव को कम करने के लिए व्यापारिक रणनीतियों में आवश्यक बदलाव किए गए हैं। संभावित मुद्रास्फीति के दबाव को देखते हुए आवश्यक उपभोग योग्य वस्तुओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने का खाका तैयार किया गया है। इन सब के साथ-साथ सरकार आगामी महीनों में अल नीनो तथा कमजोर मानसून की चुनौतियों से निपटने के लिए भी सावधानी और सतर्कतापूर्वक आगे बढ़ रही है। उम्मीद करें कि सरकार महंगाई नियंत्रण के लिए और अधिक नए रणनीतिक कदमों के साथ आगे बढ़ेगी। सरकारी गोदामों से गेहूं, चावल और दालों को उपयुक्त रूप से खुले बाजार में जारी किया जाना होगा, ताकि आगामी त्योहारी सीजन में आपूर्ति बनी रहे। प्याज, टमाटर और आलू की बढ़ती कीमतों पर अंकुश लगाने के लिए नाफेड जैसे सरकारी संगठनों के माध्यम से उपभोक्ताओं को रियायती दरों पर सीधी बिक्री बढ़ाई जानी होगी। आवश्यक वस्तुओं की जमाखोरी रोकने के लिए व्यापारियों के स्टॉक सीमाओं की सख्त निगरानी आवश्यक होगी। खाद्य तेलों और दालों की उपलब्धता सुधारने हेतु आयात शुल्क में अस्थायी कटौती की जानी होगी। भारतीय रिजर्व बैंक के द्वारा मौद्रिक नीति को ज्यादा असरदार बनाते हुए बाजार से तरलता सोखने हेतु उपयुक्त रूप से ब्याज दर बढ़ाई जानी होगी। महंगाई में पिस रहे गरीब लोगों को राहत देनी होगी।

सत्य का बोध

ओशो

चिंतन-मनन

ज्ञान एक ऐसा शब्द है, जिसके भेद एक दूसरे से अलग है। एक ज्ञान है केवल जानना, जानकारी, बौद्धिक समझ। दूसरा ज्ञान है, अनुभूति, प्रज्ञा, जीवंत प्रतीति। एक मृत तथ्यों का संग्रह है, एक जीवित सत्य का बोध है। दोनों में बहुत अंतर है। भूमि और आकाश का, अंधकार और प्रकाश का। वस्तुतः बौद्धिक ज्ञान कोई ज्ञान नहीं है। वह ज्ञान का भ्रम है। क्या नेत्रहीन व्यक्ति को प्रकाश का कोई ज्ञान हो सकता है। बौद्धिक ज्ञान वैसा ही ज्ञान है। ऐसे ज्ञान का भ्रम अज्ञान को ढक लेता है। वह आवरण मात्र है।

इसके शब्दजाल और विचारों के धुएं में अज्ञान विस्मृत हो जाता है। यह अज्ञान से भी घातक है, क्योंकि अज्ञान दिखता हो, तो उससे ऊपर उठने की आकांक्षा पैदा होती है, पर वह न दिखे तो उससे ऊपर मुक्त होना संभव ही नहीं रह जाता है। तथाकथित ज्ञानी अज्ञान में ही नष्ट हो जाते हैं। सत्य ज्ञान बाहर से नहीं आता है और जो बाहर से आए, जानना कि वह ज्ञान नहीं है, मात्र जानकारी ही है।

ऐसे ज्ञान के भ्रम में गिरने से सावधानी रखनी आवश्यक है। जो भी बाहर से आता है, वह स्वयं पर और पर्दा बन जाता है।ज्ञान भीतर से जागता है। वह आता नहीं, जागता है और उसके लिए पर्दे बनाने नहीं तोड़ने होते हैं। ज्ञान को सीखना नहीं होता है, उसे उघाड़ना होता है। सीखा हुआ ज्ञान जानकारी है, उघड़ा हुआ ज्ञान अनुभूति है। जिस ज्ञान को सीखा जाता है, उसके आगमन से ही आचरण सहज उसके अनुकूल हो जाता है। सत्य ज्ञान के विपरीत जीवन का होना एक असंभावना है।

वैसा आज तक धरा पर कभी नहीं हुआ है। एक कथा स्मरण आती है। एक घने वन के बीहड़ पथ पर दो मुनि थे। शरीर की दृष्टि से वे पिता पुत्र थे। पुत्र आगे था, पिता पीछे। मार्ग था एकदम निर्जन और भयानक। अचानक सिंह का गर्जन हुआ। पिता ने पुत्र से कहा, तुम पीछे आ जाओ, खतरा है। पुत्र हंसने लगा, आगे चलता था, आगे चलता रहा। पिता ने दोबारा कहा, सिंह सामने आ गया था, मृत्यु द्वार पर खड़ी थी। पुत्र बोला, मैं शरीर नहीं हूं, तो खतरा कहां है। आप भी तो यही कहते हैं न, पिता ने भागते हुए चिल्ला कर कहा, पागल सिंह की राह छोड़ दे, पर पुत्र हंसता ही रहा और बढ़ता ही रहा।

आपके पत्र

विकास के साथ जरूरी है प्रकृति का संरक्षण

हाल ही में नेपाल में ग्लेशियर फटने से भारी तबाही हुई है। इसमें जान-माल का नुक्सान हुआ। कुदरत के इस कहर के पीछे पहाड़ों पर अंधाधुंध निर्माण है। सडकों का निर्माण करने के लिए पहाड़ों के सीने को छलनी किया जा रहा है। हमारे देश में भी बरसात का मौसम पहाड़ी क्षेत्रों पर भारी पड़ रहा है। पिछले कुछ वर्षों में यहां बरसात ने बहुत कहर बरपाया है। ताश के पत्तों की तरह इमारतों को ढहते देखा है। अपनी सुख सुविधाओं के लिए सडकों, रेलमार्गों और अन्य विकास के काम जरूरी हैं, लेकिन इससे भी जरूरी है प्रकृति का संरक्षण। अगर हम बीज बबूल के बोएं और फिर इससे हम आम जैसे मीठे फल की इच्छा रखेंगे, तो यह हमारी सबसे बड़ी नासमझी नहीं होगी तो और क्या होगा?

सचिन कुमार

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।
प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website :** www.metrorays.in **email : metrorays.ranchi@gmail.com**

न्यूज IN ब्रीफ

चाकू सटाकर 20 हजार रुपए छीनने व जान से मारने का पीड़ित ने लगाया आरोप

साहिबगंज : नगर थाना क्षेत्र के हबीबपुर निवासी पीड़ित व्यक्ति कमल जमा पिता मो जमा ने गले पर चाकू सटाकर 20 हजार रुपए नगद छीनने एवं जान से मारने के मामले में नामजद मो. शहबान पिता मो. हारून अंसारी समेत अन्य दो युवकों के खिलाफ जिरवाबाड़ी थाना प्रभारी को लिखित आवेदन देते हुए कानूनी कार्यवाही करने की मांग की है। जहां दिए गए आवेदन पत्र में पीड़ित ने जिक्र किया है कि बीते दिनों 29 अगस्त की शाम करीब पौन 6 बजे जब वो मो. रिंकू को मुर्गी का पैसा देने के लिए जा रहा था तो तभी मो. शहबान पिता मो. हारून अंसारी समेत अन्य दो युवकों ने उसके साथ इस प्रकार की घटना को अंजाम दिया है। वही इस घटना के बाद पीड़ित व्यक्ति ने थाना पहुंचकर पूरे मामले की जानकारी पुलिस पदाधिकारी को देते हुए दोषी युवकों के खिलाफ कानूनी कार्यवाही करने की मांग की है। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की गहराई से छानबीन कर रही है।

अपराध नियंत्रण को लेकर एसपी ने की मासिक गोष्ठी अपराधी व नशा कारोबारियों पर सख्ती के निर्देश

साहिबगंज : जिला मुख्यालय स्थित पुलिस अधीक्षक कार्यालय में रविवार को पुलिस अधीक्षक अमित कुमार सिंह की अध्यक्षता में मासिक अपराध नियंत्रण गोष्ठी आयोजित की गई। बैठक में जिले के सभी अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी पुलिस निरीक्षक व थाना प्रभारी शामिल हुए। इस दौरान एसपी ने जिले में अपराध नियंत्रण और लंबित कांडों के त्वरित निष्पादन को लेकर अधिकारियों को कई आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। एसपी अमित कुमार सिंह ने स्पष्ट कहा कि जिले में अपराधी हो या नशा कारोबारी, किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा। अपराध और नशे के कारोबार पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए थाना स्तर पर लगातार कार्रवाई करने की जरूरत है। उन्होंने सभी थाना प्रभारियों को अपने-अपने थाना क्षेत्रों में सघन छापेमारी अभियान चलाने तथा नशा कारोबार में संलिप्त लोगों को चिह्नित कर उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने का निर्देश दिया। उन्होंने लंबित कांडों की समीक्षा करते हुए अनुसंधान में तेजी लाने, मामलों का जल्द उद्भेदन करने तथा फरार आरोपियों की गिरफ्तारी सुनिश्चित करने को कहा। साथ ही क्षेत्र में होने वाली आपराधिक गतिविधियों पर नजर रखने और सूचना तंत्र को मजबूत करने का निर्देश भी दिया।
बैठक में एसडीपीओ राजमहल विमलेश त्रिपाठी, एसडीपीओ बरहरवा एसडीपीओ साहिबगंज सुशील कुमार, डीएसपी मुख्यालय रविकांत साव सहित जिले के सभी थाना प्रभारी एवं पुलिस निरीक्षक उपस्थित थे

बूथ संख्या 35 पर ग्रामीणों ने सुनी प्रधानमंत्री की मन की बात

साहिबगंज : भाजपा ग्रामीण मंडल अध्यक्ष अनुराग राहुल के नेतृत्व मे बूथ संख्या 35,जयंतीग्राम महादेवगंज में रविवार को देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ह्यमन की बातह्ल कार्यक्रम के 137वें एपिसोड का सामूहिक रूप से प्रसारण सुना गया।इस दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संबोधन को ध्यानपूर्वक सुना और ह्यमन की बातह्ल में साझा किए गए विभिन्न सामाजिक,राष्ट्रहित एवं जनकल्याण से जुड़े विषयों पर चर्चा की।कार्यक्रम के दौरान कार्यकताओं ने प्रधानमंत्री के विचारों और संदेशों को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प भी लिया।कार्यक्रम में राजमहल विधानसभा के पूर्व विधायक अनंत कुमार ओझा,पूर्व जिला मंत्री मनोज यादव,जनार्दन दास,संजय कुमार सिंह,अनिल मंडल,राजेश रविदास,किरण देवी,सुनीता देवी,सतन रविदास,राजेंद्र रविदास, विजय पासवान,भागवत दास एवं अरविंद मंडल सहित अन्य कार्यकर्ता एवं ग्रामीण मौजूद रहे।

12 से 14 सितंबर तक साहिबगंज में झारखंड राज्य जूनियर कबड्डी प्रतियोगिता

साहिबगंज : 12,13 एवं 14 सितंबर 2026 को रेलवे ग्राउंड,सकरीगली साहिबगंज में 20 वीं झारखंड राज्य जूनियर बालकव बालिका कबड्डी प्रतियोगिता-2026 का आयोजन किया जायेगा।जिसकी जानकारी आयोजन समिति के गोपाल यादव,उत्तम कुमार साहिबगंज महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ रंजीत कुमार सिंह ने संयुक्त रूप से प्रेस कॉन्फ्रेंस कर दिया।आयोजन समिति ने बताया कि यह साहिबगंज जिले में पहली बार राज्य स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन होगा।प्रतियोगिता में झारखंड के विभिन्न जिलों से बालक एवं बालिका वर्ग की टीमें भाग लेंगी।प्रतियोगिता का आयोजन में निर्धारित आयु वर्ग के खिलाड़ी हिस्सा लेंगे,जिनकी जन्म तिथि 04 नवंबर 2006 के बाद की होनी चाहिए।प्रेस कॉन्फ्रेंस में आयोजन समिति के सदस्यों ने कहा कि इस प्रतियोगिता का उद्देश्य साहिबगंज एवं पूरे झारखंड के युवा खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के लिए बेहतर मंच उपलब्ध कराना है।खेल भावना,अनुशासन और एकता यही हमारी पहचान के संदेश के साथ प्रतियोगिता को सफल बनाने की तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। आयोजन समिति ने सभी खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों, पदाधिकारियों,खेलप्रेमियों एवं दर्शकों से प्रतियोगिता में उपस्थित होकर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करने की अपील की है।

गोड्डा होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज की 63 सीटों पर होंगे एडमिशन, राष्ट्रीय होम्योपैथी आयोग ने दी मंजूरी

संवाददाता

गोड्डा : होम्योपैथिक चिकित्सक बनने की उम्मीद लगाए झारखंड के मेधावी बच्चों के लिए राहत की खबर है। राष्ट्रीय होम्योपैथी आयोग ने शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए राज्य के एकमात्र आयुष मेडिकल कॉलेज गोड्डा स्थित राजकीय होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में स्नातक (यूजी) यानी बीएचएमएस (इल्टर) पाठ्यक्रम की 63 सीटों पर नामांकन की अनुमति प्रदान कर दी है।
पूर्व में आयोग ने कॉलेज में कई कमियां बताते हुए इस वर्ष नामांकन पर रोक लगा दी थी। इसकी जानकारी देते हुए राज्य के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने कहा कि यह राज्य के छात्र-छात्राओं के लिए बड़ी राहत की खबर है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के मार्गदर्शन में उनके द्वारा किए गए प्रयासों का यह नतीजा है।
राष्ट्रीय होम्योपैथी आयोग द्वारा 28 अगस्त 2026 को जारी आदेश में कॉलेज के बीएचएमएस पाठ्यक्रम के 63 सीटों वाले इनटेक का उल्लेख किया गया है। आयोग के मेडिकल असेसमेंट एंड रेटिंग बोर्ड द्वारा कॉलेज में उपलब्ध शिक्षण स्टाफ, आधारभूत संरचना एवं अन्य निर्धारित मानकों का परीक्षण किया गया था। निरीक्षण के दौरान सामने आई कमियों को दूर करने के लिए राज्य सरकार की ओर से उठाए जा रहे कदमों की जानकारी भी आयोग के समक्ष प्रस्तुत की गई।
गोड्डा होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज के विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित न हो और उनका भविष्य सुरक्षित रहे, इसके लिए स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने पूरे मामले को गंभीरता से लिया। उन्होंने कई बार दिल्ली जाकर राष्ट्रीय होम्योपैथी आयोग के अधिकारियों से मुलाकात की और कॉलेज से संबंधित मामले को मजबूती के साथ उठाया।
स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने स्पष्ट किया कि झारखंड के विद्यार्थियों की पढ़ाई किसी भी परिस्थिति में बाधित नहीं होने दी जाएगी। सरकार गोड्डा होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज में मौजूद कमियों को दूर करने और संस्थान को निर्धारित राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध है। राज्य सरकार की ओर से आयोग को कॉलेज की कमियों को दूर करने तथा शैक्षणिक एवं आधारभूत सुविधाओं को मजबूत करने का आश्वासन दिया गया है। इसी दिशा में शिक्षकों की नियुक्ति की प्रक्रिया भी शुरू की गई है तथा विभिन्न विषयों में शिक्षकों के

योगदान से संबंधित जानकारी आयोग के समक्ष प्रस्तुत की गई है। 53 पदों पर नियुक्ति की प्रक्रिया शुरू
राष्ट्रीय होम्योपैथी आयोग के समक्ष दी गई जानकारी और आश्वासन के अनुसार, कॉलेज में शिक्षण स्टाफ से संबंधित कमियों को दूर करने के लिए 53 पदों पर नियुक्ति की प्रक्रिया शुरू की गई है। इससे स्पष्ट है कि राज्य सरकार कॉलेज में आवश्यक मानव संसाधन उपलब्ध कराने के साथ-साथ शैक्षणिक व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में ठोस कदम उठा रही है।
स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि सरकार का उद्देश्य केवल वर्तमान स्थिति को संभालना नहीं, बल्कि गोड्डा होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज को बेहतर आधारभूत संरचना, पर्याप्त शिक्षण स्टाफ और मजबूत शैक्षणिक व्यवस्था के साथ एक गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा शिक्षा संस्थान के रूप में विकसित करना है।
बच्चों की पढ़ाई किसी भी परिस्थिति में बाधित नहीं होने देंगे - डॉ. इरफान अंसारी
स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने कहा, ह्लमुख्यमंत्री हेमंत सोरेन जी के मार्गदर्शन में शिक्षा और स्वास्थ्य व्यवस्था को मजबूत करना हमारी सरकार की प्राथमिकता है। गोड्डा होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज हमारे बच्चों के भविष्य से जुड़ा महत्वपूर्ण संस्थान है। मैंने दिल्ली जाकर कई बार राष्ट्रीय होम्योपैथी आयोग के अधिकारियों से मुलाकात की और विद्यार्थियों के हित में पूरे मामले को मजबूती से रखा। हमारा स्पष्ट प्रयास है कि किसी भी परिस्थिति में बच्चों की पढ़ाई बाधित न हो।
उन्होंने कहा कि कॉलेज में जो भी कमियां हैं, उन्हें निर्धारित मानकों के अनुरूप दूर किया जाएगा। शिक्षकों की नियुक्ति, आधारभूत संरचना के विकास और शैक्षणिक व्यवस्था को मजबूत करने के लिए सरकार आवश्यक कदम उठा रही है। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि उनका लक्ष्य केवल अनुमति प्राप्त करना नहीं, बल्कि गोड्डा को एक मजबूत, गुणवत्तापूर्ण और बेहतर चिकित्सा शिक्षा केंद्र के रूप में विकसित करना है।
विद्यार्थियों और अभिभावकों में खुशी
स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय होम्योपैथी आयोग के इस निर्णय के बाद गोड्डा होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज के छात्र-छात्राओं और अभिभावकों के साथ-साथ इस वर्ष नीट परीक्षा क्वालीफाई करने वाले अभ्यर्थियों में खुशी का माहौल है। उन्हें काउंसलिंग के दौरान होम्योपैथी कॉलेज में नामांकन का मौका मिलेगा।
स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि बच्चों की पढ़ाई नहीं रुकेगी और राज्य में चिकित्सा शिक्षा मजबूत होगी। झारखंड में स्वास्थ्य सेवाओं के साथ-साथ मेडिकल एजुकेशन को भी नई ऊंचाई दी जाएगी। राज्य सरकार गोड्डा होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज की शैक्षणिक एवं आधारभूत व्यवस्था को और मजबूत करने तथा विद्यार्थियों को बेहतर चिकित्सा शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है।

उधवा में झारखंड मजदूर संघ की बैठक संगठन मजबूती पर बनी रणनीति

सितंबर से सभी 26 पंचायतों में पंचायत स्तरीय कमेटी गठन की प्रक्रिया होगी शुरू

संवाददाता

साहिबगंज/उधवा : प्रखंड क्षेत्र के मोहनपुर में रविवार को तरुण साह के आवास परिसर में झारखंड मजदूर संघ प्रजातांत्रिक की उधवा प्रखंड इकाई की बैठक आयोजित की गई।बैठक की अध्यक्षता प्रखंड अध्यक्ष मोहम्मद निजामुद्दीन ने की।बैठक में संगठन को मजबूत बनाने और पंचायत स्तर तक संगठन का विस्तार करने को लेकर विस्तार से चर्चा की गई।बैठक में संघ के जिला अध्यक्ष मनोज सोरेन व जिला महामंत्री मोहम्मद इमाम विश्वास विशेष रूप से उपस्थित रहे। इस दौरान जिला अध्यक्ष

मनोज सोरेन ने कहा कि उधवा प्रखंड में कुल 26 पंचायतें हैं और संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने के लिए सभी पंचायतों में पंचायत स्तरीय कमेटी का गठन करना आवश्यक है।उन्होंने बताया कि सितंबर माह से सभी पंचायतों में कमेटी गठन की प्रक्रिया प्रारंभ की जाएगी।इसके माध्यम से मजदूरों को संगठन से जोड़ने,उनकी समस्याओं को संगठित रूप से उठाने तथा संगठन की गतिविधियों को पंचायत स्तर तक प्रभावी बनाने का प्रयास किया जाएगा।बैठक में संगठन के पदाधिकारियों सदस्यों ने संगठन विस्तार को लेकर अपने-अपने विचार रखे तथा पंचायत स्तर पर कमेटी गठन की प्रक्रिया को सफल बनाने के लिए सक्रिय रूप से कार्य करने का संकल्प लिया।मौके पर मोहम्मद सईद अख्तर, मोहम्मद बहादुरदिन, मोहम्मद अलीमुद्दीन बासुदेव मंडल, तरुण साहा,शहादत शेख, सैमसुल शेख सहित संघ के कई सदस्य एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

ग्रामीण क्षेत्रों की छुपी हुई प्रतिभा को निखरने का अवसर प्रदान होगा : योगेश

नवसृजित आवासीय बालक फुटबॉल प्रशिक्षण केंद्र के 25 प्रशिक्षु रांची रवाना

संवाददाता

साहिबगंज : खेलकूद युवा कार्य निदेशालय के निदेश के आलोक में जिले में स्वीकृत आवासीय बालक फुटबॉल प्रशिक्षण केंद्र के नवचयनित 25 प्रशिक्षुओं का शारीरिक मूल्यांकन एचपीसी सेंटर मोराबादी रांची में 31अगस्त से 2 सितंबर 2026 तक किया जाएगा ।जांचोपरांत नवसृजित आवासीय बालक फुटबॉल प्रशिक्षण केंद्र प्रारंभ होने को लेकर मार्ग प्रशस्त हो जाएगा।विशेषकर संथाल परगना प्रमंडल क्षेत्र के ग्रामीण क्षेत्रों की छुपी हुई प्रतिभा को निखरने का

अवसर प्रदान होगा एवं खेल के क्षेत्र में मिल का पत्थर साबित होगा। आवासीय बालक एथलेटिक्स प्रशिक्षण केंद्र के प्रशिक्षक योगेश यादव के नेतृत्व में नवसृजित आवासीय फुटबॉल केंद्र के 25 प्रशिक्षु बस द्वारा रांची रवाना हुए।सभी प्रशिक्षुओं को उपायुक्त श्री दीपक कुमार दुबे, उपविकास आयुक्त सतीश चंद्रा, जिला खेल पदाधिकारी नयन कुमार समेत जिले के फुटबॉल प्रेमियों ने शुभ कामना दी।रांची रवाना होने वाले खिलाड़ियों की सूची ,चन्द्राय मुर्मू,लखींद्र सोरेन , प्रेम हेंब्रम ,सूखेन सोरेन,हीरा लाल मुर्मू , निशांत मुर्मू,बाबूजी हांसदा , रोहित मुर्मू ,होपना टुडू , नीरज मुर्मू ,सिंगराई मरांडी , सूरज मड़ैया ,मथियस हेंब्रम,मोहन मुर्मू,अमित मुर्मू,रोहित मुर्मू ,लुखी राम मरांडी,धुनु मुर्मू ,विमल बेसरा ,हिमांशु टुडू,अंकित तिग्गा,खेला सोरेन,मसीह लाल मुर्मू,ओम प्रकाश बेसरा,फ्रांसिस हेंब्रम सामिल थे।

गड्ढों में तब्दील एनएच-100 बनी राहगीरों के लिए मुसीबत

संवाददाता

हजारीबाग : किसी भी शहर की मुख्य सड़क उसकी धड़कन और उस शहर की पहली पहचान होती है। लेकिन जिला मुख्यालय हजारीबाग की मुख्य सड़क (मेन रोड) की वर्तमान स्थिति इस परिभाषा को पूरी तरह झुठला रही है। शहर की इस प्रमुख सड़क की हालत इतनी दयनीय हो चुकी है कि यहां सफर करना आम जनता के लिए किसी बड़ी चुनौती से कम नहीं है। शहर के व्यस्ततम मार्ग इंद्रपुरी चौक से लेकर खिरगांव तक सड़क की स्थिति पूरी तरह जर्जर हो चुकी है। मुख्य सड़क पर जगह-जगह बड़े-बड़े गड्ढे बन गए हैं, जिनमें बरसात का पानी भरने या धूल उड़ने के कारण हादसों की आशंका हर वक्त बनी रहती है। दोपहिया वाहन चालकों के लिए इन गड्ढों से बचना और सुरक्षित निकलना बेहद मुश्किल हो गया है। सड़क की सतह उखड़ चुकी है और पूरी पट्टी पर कंक्रीट के टुकड़े बिखरे पड़े हैं।
लापता हुए लोहे के एंगल और विज्ञापन बोर्ड
कुछ वर्ष पूर्व सौंदर्यीकरण के नाम पर इस मुख्य सड़क पर डिवाइडर का निर्माण कराया गया था। इन डिवाइडरों पर सुरक्षा और रोशनी के लिए लोहे के एंगल लगाए गए थे, साथ ही शहर के नामचीन ब्रांड्स के विज्ञापन वाले बड़े-बड़े डिस्प्ले बोर्ड भी स्थापित किए गए थे। लेकिन देखरेख के अभाव में और प्रशासनिक उदासीनता के चलते एक-एक कर ये सभी एंगल और डिस्प्ले बोर्ड रहस्यमय तरीके से गायब हो गए। अब तो स्थिति यह है कि डिवाइडर भी कई जगहों पर टूटकर बिखर चुके हैं और अपनी बदहाली पर आंसू बहा रहे हैं।
एनएच-100 का यह हिस्सा प्रशासनिक उपेक्षा का शिकार
हजारीबाग शहर के बीच से गुजरने वाला यह मुख्य मार्ग दरअसल राष्ट्रीय राजमार्ग 100 का ही हिस्सा है। शहर की इस महत्वपूर्ण जीवनरेखा के रखरखाव और अधिकार क्षेत्र को लेकर हमेशा असमंजस की स्थिति बनी रहती है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि नगर निगम केवल खानापूर्ति के लिए चुनावी मौसम या त्योहारों से पहले मामूली मरम्मत के नाम पर लीपापोती कर अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ लेता है, जबकि स्थायी और ठोस निर्माण कार्य एनएच प्रमंडल के अधीन होने के कारण कागजों में ही उलझकर रह जाता है।
जिम्मेदार विभागों की उदासीनता
सड़क की इस नारकीय स्थिति को लेकर शहरवासियों में भारी आक्रोश व्याप्त है। स्थानीय दुकानदारों और वाहन चालकों का कहना है कि हर रोज इस रास्ते से प्रशासनिक अधिकारी और जनप्रतिनिधि गुजरते हैं, इसके बावजूद किसी की भी नजर इस गंभीर समस्या पर नहीं पड़ती है। केवल अस्थायी पैचवर्क कर-के जनता को गुमराह किया जा रहा है, जिससे समस्या का कोई स्थाई समाधान नहीं निकल पा रहा है।

प्लस टू उच्च विद्यालय कटकमसांडी में राष्ट्रीय खेल दिवस संपन्न

हजारीबाग : राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर आयोजित तीन दिवसीय खेल एवं फिटनेस अभियान के अंतिम दिन रविवार को प्लस टू उच्च विद्यालय कटकमसांडी में साइकिल रैली एवं तीन किलोमीटर दौड़ का आयोजन किया गया। छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर भाग लेते हुए खेल, स्वास्थ्य और फिटनेस के प्रति जागरूकता का संदेश दिया। कार्यक्रम का नेतृत्व विद्यालय के शारीरिक शिक्षा शिक्षक सरोज मालाकार ने किया। साइकिल रैली के माध्यम से विद्यार्थियों ने शारीरिक सक्रियता और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया। तीन किलोमीटर दौड़ के बालक वर्ग में बासुदेव कुमार ठाकुर ने प्रथम, मो. सादाफ ने द्वितीय तथा विशाल कुमार ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं बालिका वर्ग में पूजा कच्छप प्रथम, शोभा कुमारी द्वितीय तथा श्रेया तिर्की तृतीय स्थान पर रहीं। विजेता प्रतिभागियों को मेडल एवं जर्सी प्रदान कर सम्मानित किया गया। विद्यालय के प्रधानाध्यापक ने कहा कि खेल विद्यार्थियों के शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने विद्यार्थियों से पढ़ाई के साथ खेल गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी करने की अपील की। कार्यक्रम के सफल आयोजन में डॉ. मैनेजर नाथ पाण्डेय, इमरान अयूब हुसैनी, अजय बैठा, आशीष कुमार, आदित्य कुमार, उषा रानी महतो, उत्तम सिंह, राकेश रंजन, जाहिदा बानो, प्रिया एवं सदा सदफ सहित विद्यालय के सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं का महत्वपूर्ण सहयोग रहा।

पदाधिकारियों को तकनीकी सहयोग उपलब्ध कराया जाएगा : एसपी

संवाददाता

साहिबगंज : जिला मुख्यालय स्थित पुलिस लाइन कार्यालय में रविवार को साइबर अपराध एवं आइटी एक्ट से जुड़े मामलों के अनुसंधान के लिए साइबर कार्यालय का उद्घाटन एसपी अमित कुमार सिंह ने किया। साइबर अपराध के बढ़ते मामलों को देखते हुए पुलिस विभाग की ओर से यह पहल की गई है। कार्यालय शुरू होने से साइबर ठगी, ऑनलाइन धोखाधड़ी, सोशल मीडिया से जुड़े अपराध, फर्जी डिजिटल दस्तावेज और आइटी एक्ट से संबंधित मामलों के अनुसंधान में तेजी आने की उम्मीद है।
एसपी अमित कुमार सिंह ने मुख्यालय डीएसपी रविकांत साव को साइबर कार्यालय का नोडल प्रभारी बनाया है। वहीं एसआइ पंकज वर्मा और एएसआइ कमलेश्वर मरांडी को भी यहां तैनात किया गया है। कार्यालय में साइबर अपराध से संबंधित मामलों की तकनीकी जांच, डिजिटल साक्ष्य जुटाने, डाटा का विश्लेषण और आरोपितों तक पहुंचने के लिए आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।ऑनलाइन बैंकिंग फ्रॉड,

यूपीआइ ठगी, फर्जी लिंक, ओटीपी व केवाइसी के नाम पर धोखाधड़ी, सोशल मीडिया अकाउंट से जुड़े अपराध सहित अन्य साइबर मामलों की जांच में कार्यालय तकनीकी सहयोग देगा। मोबाइल नंबर, बैंक खाते, यूपीआइ ट्रांजेक्शन, आइपी एड्रेस और अन्य डिजिटल साक्ष्यों के आधार पर अनुसंधान को आगे बढ़ाया जाएगा।एसपी ने कहा कि बदलते साइबर अपराध को देखते हुए थाना स्तर के पुलिस पदाधिकारियों को भी तकनीकी सहयोग उपलब्ध कराया जाएगा। इससे साइबर मामलों के अनुसंधान में गुणवत्ता और गति दोनों बढ़ेंगी।

4 सितंबर को सिनेमाघरों में 197 मिनट का भौकाल मिजार्पुरः द मूवी को सेंसर से मिला ए सर्टिफिकेट

एक्सेल एंटरटेनमेंट और अमेजन एमजीएम स्टूडियोज की मिजार्पुरः द मूवी भारतीय सिनेमा की सबसे ज्यादा चर्चित फिल्मों में से एक बन गई है और हर गुजरते दिन के साथ इसे लेकर एक्साइटमेंट बढ़ता जा रहा है। भारत की सबसे बड़ी ओटीटी फ्रेंचाइजी के बड़े पर्दे पर आने का लंबे समय से इंतजार किया जा रहा था और अब मिजार्पुर की आइकॉनिक और लोगों की पसंदीदा दुनिया पहली बार सिनेमाघरों में देखने को मिलेगी। फिल्म के धमाकेदार टीजर और ट्रेलर ने पहले ही दर्शकों का एक्साइटमेंट कई गुना बढ़ा दिया है। इसी बढ़ते बज के बीच फिल्म को सीबीएफसी से ए सर्टिफिकेट मिल गया है, यानी बड़े पर्दे पर पूरा भौकाल देखने को मिलने वाला है।

मिजार्पुरः द मूवी जैसे-जैसे अपनी रिलीज के करीब पहुंच रही है, इसे लेकर एक्साइटमेंट भी लगातार बढ़ता जा रहा है। फिल्म ने सेंसर प्रोसेस क्लियर कर लिया है और इसे सीबीएफसी से ए सर्टिफिकेट मिला है। 3 घंटे 17 मिनट के रनटाइम के साथ मेकर्स एक दमदार और बेबाक सिनेमैटिक एक्सपीरियंस देने के लिए तैयार हैं, जो दर्शकों को पूरी तरह बांधे रखने का वादा करता है।

फिल्म को लेकर लोगों के बीच जिस तरह का जबरदस्त क्रेज देखने को मिल रहा है, उसे देखते हुए मिजार्पुरः द मूवी बॉक्स ऑफिस पर बड़ा असर डालने के लिए पूरी तरह तैयार नजर आ रही है। सभी के पसंदीदा किरदारों को बड़े पर्दे पर वापस लाते हुए फिल्म एक फुल-ऑन भौकाल एंटरटेनमेंट का वादा करती है, जिसका फैंस लंबे समय से इंतजार कर रहे हैं।

अमेजन एमजीएम स्टूडियोज और एक्सेल एंटरटेनमेंट द्वारा प्रस्तुत मिजार्पुरः द मूवी का निर्देशन गुरमीत सिंह ने किया है, इसे पुनीत कृष्णा ने लिखा है और एक्सेल एंटरटेनमेंट के बैनर तले रितेश सिधवानी और फरहान अख्तर ने प्रोड्यूस किया है। फिल्म के को-प्रोड्यूसर कासिम जगमगिया और विशाल रामचंदानी हैं। मिजार्पुरः द मूवी 4 सितंबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

चार दिन में 100 करोड़ के नेट क्लब में शामिल हुआ यश की टॉक्सिक का हिंदी वर्जन

रॉकिंग स्टार यश की पैन-इंडिया फिल्म टॉक्सिकः ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स ने हिंदी बाजार में शानदार प्रदर्शन करते हुए रिलीज के महज चार दिनों में 100 करोड़ रुपए नेट का आंकड़ा पार कर लिया है।गीतू मोहनदास के निर्देशन में बनी इस फिल्म को रिलीज से पहले ही दर्शकों के बीच जबरदस्त उत्सुकता थी। करीब चार साल के लंबे अंतराल के बाद यश की बड़े पर्दे पर वापसी ने फिल्म को लेकर दर्शकों की दिलचस्पी और बढ़ा दी। दक्षिण भारत में यश की मजबूत फैन फॉलोइंग के साथ ही हिंदी भाषी बाजारों में भी फिल्म को अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है।

बड़े महानगरों से लेकर उत्तर भारत के प्रमुख केंद्रों तक फिल्म को लेकर दर्शकों में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। यश की दमदार स्क्रीन प्रेजेंस को फिल्म की प्रमुख खूबियों में गिना जा रहा है। खास बात यह है कि बॉलीवुड में औपचारिक डेब्यू किए बिना ही यश ने हिंदी दर्शकों के बीच अपनी मजबूत पहचान बनाई है और टॉक्सिक की सफलता इसे और मजबूत करती दिख रही है।

फिल्म के हिंदी संस्करण ने पहले दिन 55.40 करोड़ रुपए नेट का कलेक्शन किया था। इसके बाद भी फिल्म की रफ्तार कायम रही और चार दिनों में ही यह 100 करोड़ रुपए नेट क्लब में शामिल हो गई। टॉक्सिकः ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स में यश के साथ नयनतारा, कियारा आडवाणी, तारा सुतारिया, रुक्मिणी वसंत और हुमा कुरैशी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। फिल्म का निर्देशन गीतू मोहनदास ने किया है। फिल्म का निर्माण वेंकट के. नारायण ने केवीएन प्रोडक्शंस और यश की मॉन्स्टर माइंड क्रिएशंस के बैनर तले किया है। टॉक्सिकः ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स दुनियाभर के सिनेमाघरों में प्रदर्शित हो रही है।

परम सुंदरी के एक साल पूरे, परदेसिया में जाह्नवी-सिद्धार्थ की रोमांटिक केमिस्ट्री फिर चर्चा में

फिल्म परम सुंदरी के रिलीज के एक साल पूरे हो गए हैं और इस मौके पर फिल्म का लोकप्रिय गीत परदेसिया एक बार फिर चर्चा में है। जाह्नवी कपूर और सिद्धार्थ मल्होत्रा पर फिल्माया गया यह रोमांटिक गीत फिल्म के यादगार म्यूजिकल पलों में शामिल रहा है। परदेसिया में जाह्नवी कपूर और सिद्धार्थ मल्होत्रा की रोमांटिक केमिस्ट्री ने दर्शकों का खास ध्यान आकर्षित किया था। गाने की मधुर धुन, खूबसूरत लोकेशंस और दोनों कलाकारों की सहज स्क्रीन प्रेजेंस ने इसके रोमांटिक एहसास को और प्रभावी बनाया।

परम सुंदरी की प्रेम कहानी को खूबसूरती से दर्शाने वाले इस गीत में जाह्नवी और सिद्धार्थ की जोड़ी ने प्यार और आकर्षण के कई रंग पेश किए। दोनों की ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री को प्रशंसकों ने खूब पसंद किया और यही वजह है कि रिलीज के एक साल बाद भी परदेसिया फिल्म की खास यादों में शामिल है। परम सुंदरी के एक साल पूरे होने के साथ ही परदेसिया एक बार फिर प्रशंसकों के बीच चर्चा में है। जाह्नवी कपूर और सिद्धार्थ मल्होत्रा की जोड़ी वाला यह रोमांटिक म्यूजिकल मोमेंट आज भी दर्शकों के बीच अपनी खास पहचान बनाए हुए है।

नानी के साथ दि पैराडाइज के स्पेशल सॉन्ग में नजर आएंगी कीर्ति सुरेश

दक्षिण भारतीय अभिनेता नानी की बहुप्रतीक्षित फिल्म दि पैराडाइज को लेकर दर्शकों की उत्सुकता लगातार बढ़ रही है। फिल्म के चार्टबस्टर गाने आया शेर के बाद अब इसका स्पेशल सॉन्ग रिलीज होने वाला है, जिसमें नानी के साथ अभिनेत्री कीर्ति सुरेश भी नजर आएंगी। मशहूर निर्देशक श्रीकांत ओडेला के निर्देशन में बनी दि पैराडाइज में नानी मुख्य भूमिका में हैं।

फिल्म के टीजर, पोस्टर और पहले गाने को दर्शकों की जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली है। आया शेर रिलीज के बाद से ही सोशल मीडिया पर छाया हुआ है और नानी के लुक के साथ-साथ गाने के हुकस्टेप को लेकर भी प्रशंसकों में खासा क्रेज देखने को मिल रहा है। स्पेशल सॉन्ग को अनिरुद्ध रविचंदर ने कंपोज किया है, जबकि इसके बोल राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता गीतकार कसरला श्याम ने लिखे हैं। इस गाने में नानी और कीर्ति सुरेश की जोड़ी पहली बार इस अंदाज में नजर आएगी। कीर्ति सुरेश ने सोशल मीडिया पर गाने की शूटिंग के दौरान की नानी के साथ एक तस्वीर साझा की है। तस्वीर में वह नानी की पोनीटेल पकड़े दिखाई दे रही हैं। इसके साथ उन्होंने मजेदार अंदाज में लिखा कि जब तुम उसके बालों

को छूते हो, तो वो आग बबूला हो जाता है। फिल्म का गाना आया शेर यूट्यूब पर 200 मिलियन से अधिक व्यूज हासिल कर चुका है और इसे 1.8 मिलियन से ज्यादा लाइक्स मिल चुके हैं। सोशल मीडिया पर इस गाने पर बड़ी संख्या में रील्स भी बनाई जा रही हैं। एसएलवी सिनेमाज के बैनर तले बनी दि पैराडाइज 24 सितंबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म हिंदी, तेलुगु, तमिल, अंग्रेजी, स्पेनिश, बंगाली, कन्नड़ और मलयालम समेत आठ भाषाओं में प्रदर्शित की जाएगीः

रत्नाकर ने वर्ल्डवाइड रिकॉर्ड्स पर जारी किया केवट का ट्रेलर

फिल्म केवट का ट्रेलर म्यूजिक कंपनी एवं फिल्म प्रोडक्शन हाउस वर्ल्डवाइड रिकॉर्ड्स के आधिकारिक यूट्यूब चैनल पर जारी कर दिया गया है। फिल्म का निर्माण रत्नाकर कुमार ने किया है और निर्देशन अनंजय रघुराज ने किया है। फिल्म में माही श्रीवास्तव, पवन पांडेय, संदीप यादव और रितम श्री प्रमुख भूमिकाओं में हैं। फिल्म की कहानी वाराणसी की पृष्ठभूमि पर आधारित है। ट्रेलर में वाराणसी के घाटों, गलियों और धार्मिक-सांस्कृतिक वातावरण की झलक देखने को मिलती है। माही श्रीवास्तव का किरदार कहानी के केंद्र में नजर आता है। फिल्म में वाराणसी की लोक-संस्कृति और पारिवारिक भावनाओं को प्रमुखता दी गई है। फिल्म के प्रस्तुतकर्ता रत्नाकर कुमार और प्रसिद्ध भजन गायक एवं पद्म श्री सम्मानित अनूप जलोटा हैं। निर्माताओं के अनुसार, फिल्म का उद्देश्य मनोरंजन के साथ दर्शकों को भारतीय संस्कृति और अपनी जड़ों से जोड़ना है। रत्नाकर कुमार ने कहा कि केवट भावनाओं, लोक-संस्कृति और आधुनिक सिनेमाई तकनीक का संयोजन है। उन्होंने उम्मीद जताई कि फिल्म दर्शकों को पसंद आएगी। माही श्रीवास्तव ने कहा कि केवट की कहानी और इसकी भावनाएं दर्शकों के दिलों को छूएंगी। उन्होंने कहा कि फिल्म का हिस्सा बनना उनके लिए खुशी की बात है। पवन पांडेय ने कहा कि केवट सिर्फ एक फिल्म नहीं, बल्कि भावनाओं और भारतीय संस्कृति से जुड़ी कहानी है। उन्होंने कहा कि वाराणसी की पृष्ठभूमि फिल्म को अलग पहचान देती है और दर्शकों को कलाकारों का काम पसंद आएगा। फिल्म के लेखक राकेश त्रिपाठी, डीओपी के. वेंकट महेश, गीतकार विजय चौहान और संगीतकार अजय सिंह हैं। फिल्म में अनूप जलोटा, प्रियंका सिंह, पवन पांडे, विजय चौहान और राजा हसन ने अपनी आवाज दी है। फिल्म में राजेश तोमर, योगेश पांडे, राकेश त्रिपाठी, ऐश्वर्या शर्मा, ऋषभ राजपूत और राजन कानू भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। फिल्म का बैकग्राउंड म्यूजिक अयान मकवाना, वीएफएक्स आकाश सिंह, डीआई रोहित सिंह और एडिटिंग प्रीतम नायक ने की है। फिल्म के म्यूजिक राइट्स वर्ल्डवाइड रिकॉर्ड्स के पास हैं।

टी-20 टीम से बाहर होने पर चौंके सूर्यकुमार, बोले- लगा था ओलंपिक और वर्ल्ड कप तक कप्तानी करूंगा

नई दिल्लीः भारतीय टी-20 टीम के पूर्व कप्तान सूर्यकुमार यादव ने माना कि जब उन्हें भारत की अंतरराष्ट्रीय टी-20 योजनाओं से बाहर किया गया तो वे हैरान रह गए थे। उन्होंने बताया कि वह 2028 के लॉस एंजिल्स ओलंपिक और उसी साल होने वाले अगले टी-20 विश्व कप में टीम की कप्तानी करने की तैयारी कर रहे थे। जून में आयरलैंड और इंग्लैंड सीरीज के लिए टीम से बाहर करने से कुछ समय पहले ही चयनकर्ताओं ने सूर्यकुमार को इसकी जानकारी दी थी। 35 वर्षीय खिलाड़ी ने कहा कि इस फैसले ने उन्हें पूरी तरह चौंका दिया, खासकर तब जब उन्होंने इस साल मार्च में घरेलू मैदान पर टीम को टी-20 विश्व कप का खिताब जिताया था। सूर्यकुमार यादव ने यूट्यूब पर आकाश चोपड़ा के शो बैठ और बोल में कहा, जब मैंने देखा कि मेरा नाम लिस्ट में नहीं है, तो मैं मुस्कुरा दिया। जब भी मैं दबाव वाली स्थितियों में रहा हूं या जब चीजें मेरे पक्ष में नहीं रही हैं, तो मैं हमेशा मुस्कुराया हूं और शांत रहा हूं। मैंने उन पलों को याद किया है और शुक्रगुजार रहा हूं। मैंने नहीं सोचा था कि 2026 में ऐसा होगा। मुझे लग रहा था कि मैं अगले दो सालों तक टीम को आगे ले जाने की तैयारी कर रहा हूं, ओलंपिक, एक और टी-20 विश्व कप और फिर आगे एक और चुनौती।

उन्होंने कहा, टीम के ऐलान से दो-तीन दिन पहले चयनकर्ताओं ने मुझे फोन किया। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि अब आगे बढ़ने का समय आ गया है। मैंने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी क्योंकि यह मेरा स्वभाव नहीं है। जो भी फैसला लिया गया, उस व्यक्ति को लगा होगा कि यह टीम के भले के लिए है। आपने फैसला लिया, मुझे बताया, इसमें कोई बुराई नहीं है।

सूर्यकुमार ने खुद को भारत के प्रमुख टी-20 खिलाड़ियों में से एक के तौर पर स्थापित किया था। नवंबर 2022 में वे आईसीसी रैंकिंग में नंबर 1 पर भी पहुंचे थे। 2024 टी-20 विश्व कप के बाद रोहित शर्मा के अंतरराष्ट्रीय टी-20 से संन्यास लेने पर उन्होंने पूर्णकालिक कप्तानी संभाली। उनकी कप्तानी में, भारत ने 50 पूरे हुए टी-20 मैचों में से 42 जीते और पुरुषों का टी-20 वर्ल्ड कप खिताब बचाने वाली और घरेलू जमीन पर इसे जीतने वाली पहली टीम बनी। हालांकि, न्यूजीलैंड के खिलाफ फाइनल मैच सूर्यकुमार का भारत के लिए आखिरी मैच साबित हुआ। इसके बाद चयनकर्ताओं ने श्रेयस अय्यर को कप्तानी सौंप दी, जिससे उस दौर का अप्रत्याशित अंत हो गया जिसमें भारत दो साल तक टी-20 सीरीज में अजेय रहा था। सूर्यकुमार ने कहा, जिसे उन्होंने चुना है, उसके साथ मैंने बहुत क्रिकेट खेला है। मुझे पता है कि वह एक अच्छा खिलाड़ी, अच्छा इंसान और अच्छा कप्तान भी है। इसलिए, मुझे फैसले से कोई शिकायत नहीं थी, लेकिन निराशा जरूर हुई क्योंकि हम दो साल से कोई सीरीज नहीं हारे थे, एशिया कप और टी-20 विश्व कप जीते थे । आप चाहते हैं कि यह सिलसिला आगे भी जारी रहे। जब सब कुछ अच्छा चल रहा हो, तो बदलाव क्यों। उन्होंने कहा, कुछ हद तक उनकी अपनी फॉर्म की वजह से, और साथ ही अगले दो साल के साइकल या अगले वर्ल्ड कप तक के समय को देखते हुए, हमें लगा कि आगे बढ़ने का यही सबसे अच्छा तरीका है। उन्होंने डेढ़ महीने तक मैं यही सोचता रहा कि ऐसा कैसे हो सकता है?

आईसीसी का बड़ा फैसला

श्रीलंका से छिनी चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी सरकारी दखल का लगाया आरोप

एजेंसी/ दुबईः 2027 में होने वाली पहली महिला चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी श्रीलंका से छिन गई है। आईसीसी ने श्रीलंका क्रिकेट में सरकारी दखल को लेकर आपत्ति जताई है। अब 14 से 28 फरवरी तक होने वाला छह टीमों का टूर्नामेंट किसी दूसरे देश में खेला जाएगा। श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड का कामकाज फिलहाल सरकार की बनाई ट्रांसफॉर्मेशन कमेटी देख रही है।

आईसीसी के नियमों के मुताबिक सदस्य बोर्ड को सरकार के हस्तक्षेप के बिना स्वतंत्र रूप से काम करना होता है। एसएलसी ट्रांसफॉर्मेशन कमेटी के सचिव प्रकाश शाफ्टर ने मेजबानी हटाए जाने की पुष्टि की है। उन्होंने कहा कि टूर्नामेंट श्रीलंका से बाहर होगा, लेकिन नए मेजबान का फैसला अभी नहीं हुआ है। आईसीसी श्रीलंका में जल्द चुनाव कराने और निर्वाचित क्रिकेट बोर्ड बहाल करने की मांग कर रहा है। ट्रांसफॉर्मेशन कमेटी के प्रतिनिधियों को आईसीसी बोर्ड की बैठकों में शामिल होने की अनुमति भी नहीं है।

श्रीलंका की मेजबानी में खेलने वाली थीं छह टीमें: महिला चैंपियंस ट्रॉफी 14 से 28 फरवरी, 2027 तक टी-20 फॉर्मेट में खेला जाना है। इसमें छह टीमें हिस्सा लेंगी। मेजबान होने के कारण श्रीलंका को सीधे टूर्नामेंट में जगह मिलनी थी। अब मेजबान बदलने के बाद उसकी भागीदारी पर भी सवाल खड़ा हो गया है। श्रीलंका फिलहाल महिला वनडे रैंकिंग में छठे स्थान पर है। आईसीसी ने अभी नई क्वॉलिफिकेशन व्यवस्था स्पष्ट नहीं की है।

टूरिज्म को भी हुआ भारी नुकसानः टूर्नामेंट दूसरे देश में जाने से श्रीलंका को क्रिकेट के साथ आर्थिक नुकसान भी होगा। टीमों, अधिकारियों और दर्शकों के आने से होटल और पर्यटन कारोबार को फायदा मिलना था। ब्रॉडकास्टिंग और आयोजन से होने वाली कमाई का हिस्सा भी श्रीलंका को नहीं मिलेगा। इसके अलावा घरेलू क्रिकेट के लिए मिलने वाले आयोजन से जुड़े अवसर भी खत्म हो जाएंगे।

आईसीसी ने 2023 में भी किया था निलंबितः सरकारी दखल को लेकर श्रीलंका पहले भी आईसीसी की कार्रवाई झेल चुका है। 2023 में आईसीसी ने एसएलसी को निलंबित कर दिया था। इसके बाद 2024 मेंस अंडर-19 वर्ल्ड कप की मेजबानी भी श्रीलंका से छीनकर साउथ अफ्रीका को दे दी गई थी। अप्रैल, 2026 में श्रीलंका सरकार ने बोर्ड का कामकाज अस्थायी तौर पर ट्रांसफॉर्मेशन कमेटी को सौंपा था। आईसीसी तब से निर्वाचित बोर्ड की बहाली और जल्द चुनाव कराने पर जोर दे रहा है।

न्यूज ब्रीफ

कुंड में डूब रहे इकलौते भाई को बचाने कूदीं 3 बहनें, चारों की दर्दनाक मौत, परिवार में कोहराम

धौलपुर : राजस्थान के धौलपुर जिले से एक बेहद हृदयविदारक घटना सामने आई है, जहां लोकदेवता के दर्शन करने गए एक ही परिवार के चार चिराग एक साथ बुझ गए। आंगई थाना क्षेत्र के धौंध बिरजा गांव स्थित कुंड (तालाब) में डूब रहे 23 वर्षीय भाई को बचाने के चक्कर में उसकी तीन बहनें भी गहरे पानी में कूद गईं। पानी का बहाव और गहराई अधिक होने के कारण चारों की डूबने से दर्दनाक मौत हो गई। इस भीषण हादसे के बाद पूरे इलाके और गांव में सन्नाटा पसर गया है।

सेल्फी लेते वक्त फिसला पैर, भाई को बचाने पानी में कूदीं बहनें: नथुआपुरा गांव निवासी परिवार के सदस्य रक्षाबंधन के बाद पड़ने वाली दौज के अवसर पर रविवार सुबह धौंध बिरजा गांव के पास लोकदेवता हीरामन बाबा मंदिर में दर्शन करने पहुंचे थे। तीनों बहनें मंदिर परिसर में पूजा-अर्चना करने लगीं, जबकि 23 वर्षीय भोलू उर्फ रवि पुत्र लायक सिंह पास स्थित कुंड में नहाने चला गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, नहाते वक्त वह मोबाइल से सेल्फी ले रहा था, तभी अचानक पैर फिसलने से वह गहरे पानी में चला गया और डूबने लगा। भाई को तड़पता देख उसकी सगी बहनें मनोरमा, बोटो और चचेरी बहन निशा बिना सोचे-समझे उसे बचाने के लिए कुंड में कूद गईं, लेकिन गहराई ज्यादा होने से चारों दलदल और पानी में समा गए।

एसडीआर एफ और गोताखोरों ने कड़ी मशक्कत के बाद निकाले शवः घटना के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई और भारी संख्या में ग्रामीण एकत्र हो गए। सूचना मिलते ही सरमथुरा थाना प्रभारी कृपाल सिंह और आंगई थाना पुलिस मय जाब्ता मौके पर पहुंचे। पुलिस ने एसडीआरएफ और स्थानीय गोताखोरों की मदद से रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। कड़ी मशक्कत के बाद तीनों बहनों और अंत में युवक का शव गहरे कुंड से बाहर निकाला जा सका।

चार मौतों से परिवार उजड़ा, गांव में पसरा सन्नाटाः मृतकों की पहचान भोलू उर्फ रवि (23), उसकी सगी बहनों मनोरमा (30), बोटो (36) और चचेरी बहन निशा (21) के रूप में हुई है। ये सभी रक्षाबंधन का त्योहार मनाने अपनी रिश्तेदारी में आए हुए थे। पुलिस ने सभी शवों को सरमथुरा के सरकारी अस्पताल की मोर्चरी में रखवाकर पोस्टमॉर्टम कराया और परिजनों को सौंप दिया, जिसके बाद गमगीन माहौल में उनका अंतिम संस्कार किया गया। एक ही झटके में चार संतानों की मौत से पीड़ित परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है।

5जी यूजर्स के लिए बड़ी खुशखबरी, अब नहीं टूटेगा नेटवर्क, सरकार ने रेडिएशन नियमों में दी बड़ी ढील

नई दिल्ली : यदि आप भी 5जी इंटरनेट का इस्तेमाल करते समय अचानक कमजोर नेटवर्क या कॉल ड्रॉप की समस्या से परेशान होते हैं, तो यह समस्या अब बहुत जल्द खत्म होने वाली है। देशभर में 5क्र नेटवर्क के विस्तार और कवरेज की रुकावटों को दूर करने के लिए केंद्र सरकार ने एक ऐतिहासिक कदम उठाया है। सरकार ने मोबाइल नेटवर्क के लिए इलेक्ट्रोमैग्नेटिक फील्ड यानी रेडिएशन के सालों पुराने सख्त नियमों में बड़ी ढील देने का फैसला किया है। नए नियम लागू होने के बाद मोबाइल टावरों से सिग्नल की रेंज सीधे दोगुनी हो जाएगी।

पावर डेंसिटी की सीमा 5 से बढ़कर हुई 10 वाट प्रति वर्ग मीटर : सरकार के इस फैसले के तहत अगले महीने से 5जी बेस टावर स्टेशनों की पावर डेंसिटी लिमिट को 5 वाट प्रति वर्ग मीटर से बढ़ाकर सीधे 10 वाट प्रति वर्ग मीटर कर दिया गया है। इससे पहले टेलीकॉम कंपनियों को सिग्नल कमजोर होने के चलते हर कुछ सौ मीटर की दूरी पर नया टावर लगाना पड़ रहा था। अब पावर क्षमता बढ़ने से एक ही टावर का सिग्नल काफी बड़े दायरे में मजबूत कवरेज देगा, जिससे नेटवर्क विस्तार की लागत घटेगी और 5जी ट्रैफिक बढ़ने के बावजूद यूजर्स को सुपरफास्ट स्पीड मिलेगी।

टेलीकॉम कंपनियों की पुरानी मांग पूरी, अंतरराष्ट्रीय मानकों से जुड़ा भारतः टेलीकॉम इंडस्ट्री काफी समय से रेडिएशन नियमों को वैश्विक स्तर के अनुरूप ढालने की मांग कर रही थी। भारत पहले इंटरनेशनल कमीशन ऑन नॉन-आयोनाइजिंग रेडिएशन प्रोटेक्शन के मुकाबले बेहद सख्त नियमों का पालन कर रहा था, जहां सीमा केवल 1 वाट प्रति वर्ग मीटर थी। पिछले साल इसे बढ़ाकर 5 वाट किया गया था, और अब इसे पूर्ण रूप से वैश्विक मानक यानी 10 वाट प्रति वर्ग मीटर कर दिया गया है।जियो, एयरटेल और वोडाफोन-आइडिया को मिलेगी भारी राहतः इस नीतिगत बदलाव से टेलीकॉम कंपनियों का नए टावर लगाने पर होने वाला भारी पूंजीगत खर्च काफी कम हो जाएगा। खासकर वोडाफोन-आइडिया जैसी कंपनियों के लिए यह फैसला वरदान साबित होगा, जो अभी अपने 5जी नेटवर्क का विस्तार कर रही हैं। वहीं, रिलायंस जियो और भारती एयरटेल अपने मौजूदा टावरों की क्षमता का अधिकतम उपयोग कर बिना अतिरिक्त टावर लगाए दूर-दराज के इलाकों तक निर्बाध 5जी कनेक्टिविटी पहुंचा सकेंगी।

नेपाल को बड़ी राहत; दूसरी बाढ़ का खतरा टला चीन सीमा पर बनी बैरियर झील का पानी घटा

एजेंसी/ काठमांडू: सदी की सबसे भीषण बाढ़ से जूझ रहे नेपाल के लिए चीन से राहत की खबर आई है। चीन के जल संसाधन मंत्रालय ने रविवार को बताया कि पिछले हफ्ते बर्फ और चट्टान के हिम-स्खलन के बाद नेपाल-चीन बॉर्डर के पास बनी बैरियर झील का पानी प्राकृतिक बहाव से पूरी तरह निकल गया है। इससे निचले इलाकों में अचानक बाढ़ आने का खतरा कम हो गया है। इससे पहले चेतावनी दी गई थी कि यह झील कभी भी फट सकती है, क्योंकि इसमें 20 लाख घन मीटर पानी भरा हुआ है और इसकी मात्रा लगातार बढ़ती जा रही है। यह झील नेपाल की छोचेन खोला और चीन की पुरेपु त्सांगपो नदियों के संगम के पास बनी थी। यह झील लांगटांग री के उत्तरी हिस्से में बुधवार को ग्लेशियर के टूटने से बनी थी, जिसके कारण भोटेकोशी नदी सिस्टम में भयानक बाढ़ आ गई थी। चाइना डेली ने मंत्रालय के हवाले से बताया कि रुकावट के पीछे लगभग 20 लाख क्यूबिक मीटर पानी जमा हो गया था। मंत्रालय की हाइड्रोलॉजिकल एमर्जेंसी मॉनिटरिंग टीम ने कहा कि अब पानी प्राकृतिक रास्तों से सामान्य रूप से बह रहा है और जमा हुआ पानी लगभग पूरी तरह निकल चुका है।

झील का पानी बहा, खतरा टला: चेंगदू में चाइनीज एकेडमी ऑफ साइंसेज में काम करने वाले नेपाली वैज्ञानिक नितेश खडका ने भी अपने साथियों की भेजी गई तस्वीरें शेयर कीं। इसमें दिख रहा है कि निचली बैरियर झील का पानी निकल गया है। उन्होंने कहा कि ऊपरी झील का भी आधे से ज्यादा पानी बह चुका है। यह घटनाक्रम ऐसे समय में हुआ है जब रविवार को भोटेकोशी और त्रिशूली नदी सिस्टम में पानी का स्तर फिर से बढ़ गया, जिससे उन इलाकों में नई चिंताएं पैदा हो गई हैं, जो पहले ही बुधवार को आए भीषण बाढ़ से बुरी तरह प्रभावित हुए थे।

त्रिशूली नदी में उफान: उफान पर चल रही त्रिशूली नदी ने नुवाकोट और धादिंग जिलों में नदी के किनारों को काट दिया है। बाढ़ के कारण हुए कटाव और उसके बाद धादिंग के कृष्णभीर में हुए भूस्खलन ने पृथ्वी हाईवे के मुग्लिन-काठमांडू सेक्शन को पूरी तरह से बंद कर दिया है। रविवार को बाढ़ के पानी ने त्रिशूली नदी पर बने एक सस्पेंशन ब्रिज को भी बहा दिया, जो गोरखा के घ्याचोक को धादिंग के चाराउडी से जोड़ता था।

20 हजार सुरक्षा कर्मी तैनात: नेपाल में अचानक आई भयानक बाढ़ और भूस्खलन से मरने वालों की संख्या बढकर 804 हो गई है और लगभग 3000 लोग अभी भी लापता हैं। बचाव दल कीचड़ और मलबे में जीवित बचे लोगों की तलाश कर रहे हैं। स्थानीय रिपोर्टों के अनुसार, नेपाल में अभी भी 2498 लोग लापता हैं, जिनमें 933 जलविद्युत कर्मचारी, 589 विदेशी नागरिक और विदेशी पर्यटकों के साथ यात्रा कर रहे 127 नेपाली शामिल हैं। नेपाल में लगभग 20000 सुरक्षाकर्मी तैनात किए गए हैं। हेलिकॉप्टरों के जरिए प्रभावित इलाकों से फंसे लोगों को सुरक्षित निकाला गया है।

हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट्स की सुरंगों में फंसे 898 कर्मी, छह इंच छेद कर पाइप से पहुंचाई हवा,2

- बाढ़ से अब तक 804 मौतें
- त्रिशूली-3 ए टनल के रेस्क्यू आपरेशन में मिली कामयाबी, मशीनों की मदद से निकाली जा रही गाद
- अब तक 361 कर्मचारी बचाए, मैनहोल बनाने की तैयारी

एजेंसी/ काठमांडू: नेपाल में बाढ़ के बाद हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट्स की सुरंगों में फंसे कर्मचारियों को बचाने के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन तेज कर दिया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, करीब 898 कर्मचारी अब भी फंसे हैं, जबकि 361 कर्मचारियों को अब तक बचाया जा चुका है। त्रिशूली-3 ह्यएच्छ हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट की सुरंग में चल रहे रेस्क्यू ऑपरेशन में कुछ कामयाबी मिली है।

बचावकर्मी मशीनों की मदद से मिट्टी और गाद हटा रहे हैं। सुरंग में 6 इंच का छेद कर पाइप के जरिए हवा पहुंचाई जा रही है। अब इसे बड़ा कर मैनहोल बनाने की तैयारी है, ताकि बचाव दल सुरंग के अंदर जाकर लोगों की तलाश कर सके। 26 अगस्त को नेपाल की भोटेकोशी और त्रिशुली नदी में अचानक बाढ़ आ गई थी। इस आपदा में नेपाल में अब तक 804 लोगों की मौत हो चुकी है।

रेस्क्यू किए 149 भारतीयों के नाम जारीः भारतीय विदेश मंत्रालय ने नेपाल में फंसे भारतीय नागरिकों के रेस्क्यू ऑपरेशन को लेकर 30 अगस्त शाम 5.30 बजे तक का अपडेट जारी किया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने रेस्क्यू किए गए 149 भारतीयों के नाम की एक लिस्ट सोशल मीडिया पर शेयर की।

न्यूयॉर्क में भागवत के कार्यक्रम से पहले तिरंगे के अनादर पर भड़के रिजिजू, कहा-

देश का अपमान महंगा पड़ेगा

नई दिल्ली: केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने न्यूयॉर्क के मैडिसन स्क्वायर गार्डन में हुए विरोध प्रदर्शन के दौरान भारतीय राष्ट्रीय ध्वज के कथित अपमान को लेकर प्रदर्शनकारियों पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि किसी को भी आरएसएस, बीजेपी या केंद्र सरकार की आलोचना करने का अधिकार है, लेकिन देश और तिरंगे का अपमान स्वीकार नहीं किया जाएगा।

रिजिजू ने रविवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर विरोध प्रदर्शन का एक वीडियो साझा किया। वीडियो के साथ उन्होंने प्रदर्शनकारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि राजनीतिक दल या सरकार की आलोचना लोकतंत्र का हिस्सा है, लेकिन राष्ट्रीय ध्वज और देश का अपमान करने के गंभीर परिणाम हो सकते हैं।

रिजिजू ने शेयर किया प्रदर्शन का वीडियोः रिजिजू ने वीडियो पोस्ट करते हुए लिखा कि आरएसएस, बीजेपी और सरकार की आलोचना करने की पूरी आजादी है, लेकिन देश और राष्ट्रीय ध्वज का अपमान नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि भारत और उसके तिरंगे का अपमान करने की

कीमत चुकानी पड़ेगी। यह प्रदर्शन शनिवार, 29 अगस्त को न्यूयॉर्क के मैडिसन स्क्वायर गार्डन में आयोजित कार्यक्रम के दौरान हुआ। यहां आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत यूनिवर्सल वननेस सेलिब्रेशन को संबोधित करने पहुंचे थे।

तीन देशों के दौरे पर हैं मोहन भागवत: मोहन भागवत आरएसएस के शताब्दी वर्ष समारोह के तहत अमेरिका, कनाडा और ब्रिटेन के तीन देशों के ग्लोबल आउटरीच दौरे पर हैं। उनके दौरे के पहले चरण में न्यूयॉर्क में कार्यक्रम आयोजित किया गया, जहां उन्होंने भारतीय मूल के लोगों को संबोधित किया।

भागवत बोले- जिस देश में रहते हैं, उसके प्रति निभाएं कर्तव्यः अपने संबोधन में मोहन भागवत ने प्रवासी भारतीयों से उस देश के प्रति अपनी जिम्मेदारियां निभाने की अपील की, जहां वे रहते हैं। उन्होंने कहा कि भारत उनकी जन्मभूमि हो सकती है, लेकिन जिस देश में वे रह रहे हैं, वही उनकी कर्मभूमि है।

भागवत ने अमेरिका में रहने वाले भारतीय मूल के लोगों से अमेरिकी समाज और देश के प्रति पूरी निष्ठा के साथ अपनी जिम्मेदारियां निभाने की बात कही। उन्होंने कहा कि प्रवासी भारतीयों को भारत से मिले मूल्यों को आगे बढ़ाते हुए जिस देश में वे रहते हैं, वहां एक जिम्मेदार नागरिक की तरह व्यवहार करना चाहिए।

उन्होंने कहा कि अमेरिका में रहने वाले लोग वहीं रहते हैं और वहीं काम करते हैं, इसलिए उन्हें अमेरिका के प्रति ईमानदार और वफादार रहना चाहिए। साथ ही, उन्होंने प्रवासी भारतीयों को अपनी कर्मभूमि के प्रति अपने कर्तव्यों को प्राथमिकता देने का संदेश दिया।

पीएम मोदी को मिला उज्बेकिस्तान का सर्वोच्च सम्मान यूरेनियम आपूर्ति और मेगा प्रोजेक्ट्स पर हुआ बड़ा समझौता

ताशकंद /एजेंसी: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को उज्बेकिस्तान के सर्वोच्च नागरिक सम्मान से सम्मानित किया गया है। राजधानी ताशकंद में आयोजित एक भव्य एवं विशेष समारोह में उज्बेकिस्तान के राष्ट्रपति शौकत मिर्जियोयेव ने पीएम मोदी को यह सुप्रीम अवार्ड प्रदान किया। इस सम्मान समारोह से पहले दोनों शीर्ष नेताओं के बीच उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल वार्ता हुई, जिसमें द्विपक्षीय आर्थिक सहयोग, ऊर्जा, उन्नत तकनीक, व्यापार और रणनीतिक साझेदारी को व्यापक रणनीतिक साझेदारी का दर्जा देने पर ऐतिहासिक सहमति बनी।

विदेश मंत्री स्तर पर बनेगी कोऑर्डिनेशन काउंसिल: द्विपक्षीय वार्ता के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने साझा बयान में कहा कि दोनों देशों ने अपने संबंधों को नई ऊंचाई देने के लिए कई बड़े और दूरगामी फैसले लिए हैं। उन्होंने घोषणा की कि आपसी सहयोग की नियमित निगरानी और उसे नई दिशा देने के लिए विदेश मंत्री स्तर पर एक समन्वय परिषद का गठन किया जाएगा। इसके साथ ही दोनों देशों के बीच मौजूदा संयुक्त आयोग को सचिव स्तर से अपग्रेड करके मंत्री स्तर पर संचालित करने का निर्णय लिया गया है।

यूरेनियम आपूर्ति, बिजनेस समिट और न्यू ताशकंद- गिफ्ट सिटी मॉडल: पीएम मोदी ने बताया कि दोनों देश जल्द ही एक संयुक्त बिजनेस समिट का आयोजन करेंगे, जिसमें दोनों देशों के प्रमुख उद्योगपति और कारोबारी भाग लेंगे। इसके अलावा भारत की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए उज्बेकिस्तान से यूरेनियम की दीर्घकालिक आपूर्ति हेतु ठोस व्यवस्था तैयार की जाएगी। दोनों देशों के बीच तीन ह्यसिस्टर-सिटीह्ल और सिस्टर-स्टेट समझौते भी किए गए हैं। पीएम मोदी ने कहा कि उज्बेकिस्तान में बन रहे न्यू ताशकंद और भारत की गिफ्ट सिटी के बीच तकनीकी और विकास मॉडल के अध्ययन के लिए प्रतिनिधिमंडलों का आदान-प्रदान किया जाएगा।

राष्ट्रपति मिर्जियोयेव ने की भारत के विकास और अक प्रगति की तारीफ: उज्बेकिस्तान के राष्ट्रपति शौकत मिर्जियोयेव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की खुलकर सराहना की। उन्होंने कहा कि भारत डिजिटलीकरण, आईटी, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (अक) और स्पेस सेक्टर में असाधारण प्रगति कर रहा है और वैश्विक मंच पर भारत की साख व प्रभाव तेजी से बढ़ा है। उन्होंने कहा कि एक घनिष्ठ मित्र देश के रूप में उज्बेकिस्तान भारत की इस विकास यात्रा और वैश्विक उपलब्धियों से बेहद प्रसन्न और गौरवान्वित महसूस करता है।

अब पोर्न साइट्स और सीक्रेट ऐप्स बने आतंकियों के नए ठिकाने

आईएसआई के खौफनाक डार्क वेब मॉडल का भंडाफोड़

श्रीनगर : जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा बलों और खुफिया एजेंसियों की बढ़ती डिजिटल निगरानी के बीच सीमा पार बैठे आतंकी आकाओं और पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई ने अपने तौर-तरीकों में बड़ा बदलाव किया है। ऑनलाइन गेमिंग प्लेटफॉर्म्स पर भारतीय एजेंसियों की पैनी नजर पड़ने के बाद अब आतंकी संगठन संवाद स्थापित करने और नए कैडरों को निर्देश देने के लिए पोर्न वेबसाइट्स के रियल-टाइम चैट फीचर्स और अत्याधुनिक एनक्रिप्टेड ऐप्स का इस्तेमाल कर रहे हैं। वरिष्ठ सुरक्षा अधिकारियों ने रविवार को आतंकियों के इस नए गुप्त संचार नेटवर्क का सनसनीखेज खुलासा किया।

पोर्न साइट्स के डेटिंग व चैट टूल्स का दुरुपयोगः अधिकारियों के अनुसार, पारंपरिक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर सुरक्षा बलों की

कड़ी निगरानी के चलते आतंकियों ने यह नया पैंतरा अपनाया है। वे पोर्न वेबसाइट्स पर मौजूद रियल-टाइम चैट टूल्स, डेटिंग और पीपल नियर यू (आसपास के लोगों को खोजने वाले) फीचर्स का फायदा उठा रहे हैं। कई एडल्ट ऐप्स भारत में प्रतिबंधित हैं, लेकिन आतंकी वीपीएन की मदद से इनके एपीके फाइल डाउनलोड कर घाटी में युवाओं से संपर्क साध रहे हैं और आतंकी वारदातों को अंजाम देने के गुप्त निर्देश भेज रहे हैं।

बिना नंबर और सिम वाले विदेशी ऐप्स पर टिकी नजर: अंतरराष्ट्रीय स्तर पर फैले इस नेटवर्क को ध्वस्त करने के लिए भारतीय साइबर एजेंसियां कई संदिग्ध डिजिटल प्लेटफॉर्म्स की गहन निगरानी कर रही हैं। आतंकी कोटेक्स और कोनियन जैसे ऐप्स का उपयोग कर रहे हैं, जो यूजर की पहचान छिपाने के लिए एनक्रिप्टेड नोड्स के जरिए डेटा रूट करते हैं। इसके अलावा फ्रांस और वियतनाम में विकसित उन ऐप्स पर भी नजर रखी जा रही है, जो बिना किसी फोन नंबर या सिम कार्ड के काम करते हैं। साथ ही मूनलाइट जैसे बिना रजिस्ट्रेशन वाले चीनी मूल के संदेहास्पद ऐप्स का भी इस्तेमाल सामने आया है।

2जी नेटवर्क पर भी चलने वाले आरएसए-2048 एनक्रिप्शन का सहारा: जांच में यह भी स्पष्ट हुआ है कि घाटी में इंटरनेट की गति धीमी होने पर भी काम करने के लिए आतंकियों ने व्हाट्सएप और सिग्नल जैसे सामान्य ऐप्स छोड़कर 2जी या 3 जी नेटवर्क पर चलने वाले टूल्स अपनाए हैं। ये ऐप्स डेटा की गोपनीयता बनाए रखने के लिए आरएसए -2048 जैसे मजबूत एनक्रिप्शन एल्गोरिदम और सेल्फ-डिस्ट्रक्ट (स्वतः नष्ट होने वाले मैसेज) फीचर का इस्तेमाल करते हैं, जिससे किसी तीसरे पक्ष के लिए डेटा को ट्रैक करना बेहद मुश्किल हो जाता है।

वर्चुअल सिम के बाद अब नया सुरक्षा संकट: यह नया ट्रेंड तब उभरा है जब सुरक्षा एजेंसियां विदेशी वर्चुअल सिम कार्ड के सिंडिकेट को काफी हद तक ध्वस्त करने में सफल रही थीं।

न्यूज IN ब्रीफ

राखी बांधने मायके जा रही महिला की सड़क हादसे में मौत, पति गंभीर

मेदिनीनगर : नावाबाजार थाना क्षेत्र में शुक्रवार सुबह हुए सड़क हादसे में 28 वर्षीय महिला की मौत हो गई, जबकि उसका पति गंभीर रूप से घायल हो गया। मृतका की पहचान छतरपुर थाना क्षेत्र के सीलदाग गांव निवासी आरती कुमारी के रूप में हुई है।

जानकारी के अनुसार, आरती कुमारी अपने पति रंगीला सिंह के साथ राखी के मौके पर मायके बरवाडीह जा रही थी। नावाबाजार थाना से कुछ दूरी पर बाइक अनियंत्रित होकर गिर गई, जिससे दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों की सूचना पर पुलिस ने दोनों को मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने आरती को मृत घोषित कर दिया। रंगीला सिंह का इलाज जारी है।

बंद घर से लाखों की चोरी, 8 लाख के जेवर व 50 हजार नकद ले गये चोर

रांचीः रातू थाना क्षेत्र के शिव नगर डंडई हेहल में एक पूर्व नौसैनिक के बंद घर को चोरों ने निशाना बनाया। चोर घर का ताला तोड़कर अंदर घुसे और आलमारी तोड़कर करीब आठ लाख रुपये के सोने-चांदी के जेवरात और 50 हजार रुपये नकद लेकर फरार हो गए। घटना 27 से 29 अगस्त के बीच की बताई जा रही है।

इस संबंध में पूर्व नौसैनिक रतन मणि संजीव ने रातू थाना में लिखित शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत के अनुसार 27 अगस्त को वह घर में ताला लगाकर परिवार के साथ रक्षाबंधन का त्योहार मनाने पलामू (डालटनगंज) गए थे। 29 अगस्त की सुबह करीब छह बजे पड़ोसी ने फोन कर घर का ताला टूटे होने की जानकारी दी। सूचना मिलने के बाद वह रात करीब 10 बजे अपने शिव नगर स्थित घर पहुंचे। मौके पर 112 पेट्रोलिंग पुलिस भी मौजूद थी। घर की सीढ़ी की ओर वाले दरवाजे का ताला टूटा हुआ था। अंदर जाने पर घर का सामान बिखरा मिला और आलमारी भी टूटी हुई थी। शिकायत के मुताबिक जांच करने पर अलमारी में रखी तीन जोड़ी सोने की बालियां, चार जोड़ी सोने की अंगूठियां, चार जोड़ी चांदी की पायल और 50 हजार रुपये गायब मिले। चोरी गए जेवरात की अनुमानित कीमत करीब आठ लाख रुपये बताई गई है। पीड़ित ने अज्ञात लोगों पर घर में घुसकर चोरी करने का आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की है। आवेदन के आधार पर रातू थाना में प्राथमिकी दर्ज की गयी है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है और चोरों की पहचान के लिए आसपास के इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरों की भी जांच की जा रही है।

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विवि, सिल्ली में मनाया गया रक्षाबंधन

मुरीः प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के स्थानीय सहज राजयोग सेवा केंद्र, सिल्ली में रक्षाबंधन का पावन पर्व अत्यंत श्रद्धा, उमंग और आध्यात्मिक वातावरण के साथ मनाया गया।शुम्भारम परमात्मा की स्मृति के साथ हुआ। सेवा केंद्र की मुख्य संचालिका बीके मीना बहन ने उपस्थित सभी भाई-बहनों को रक्षा सूत्र (राखी) बांधा और आत्म-स्मृति का तिलक लगाकर उनके उज्ज्वल, शांत और सुखमय जीवन की मंगलकामना की। साथ ही सभी को ईश्वरीय प्रसाद (प्रसाद) और ईश्वरीय सौगात वितरित की गई।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बीके मीना बहन ने रक्षाबंधन के आध्यात्मिक रहस्य पर प्रकाश डालते हुए कहा कि रक्षाबंधन केवल सूत के धागे का बंधन नहीं, बल्कि स्वयं को विकारों और बुराइयों से मुक्त रखने का ईश्वरीय संकल्प है। जब हम स्वयं को एक आत्मा समझकर परमात्मा शिव के साथ सर्व संबंध जोड़ते हैं, तभी जीवन में सच्ची सुरक्षा और शांति की अनुभूति होती है। उन्होंने सभी से काम, क्रोध, लोभ, मोह और अहंकार जैसी नकारात्मक प्रवृत्तियों का त्याग कर प्रेम, पवित्रता और भाईचारे की भावना अपनाने का आह्वान किया।इस पावन अवसर पर क्षेत्र के अनेक गणमान्य नागरिक, समाज सेवी और भारी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। सभी ने अपने जीवन को दिव्य गुणों से सजाने तथा समाज में शांति और सद्भाव फैलाने का दृढ़ संकल्प लिया। कार्यक्रम का समापन गहन राजयोग मेडिटेशन के साथ हुआ।

धनबाद के बालूगढ्ढा में धंसी जमीन, बना बड़ा गोफ, जहरीली गैस के रिसाव का दावा

धनबाद : जिला में बीसीसीएल एरिया-10 के लिलोरी पथरा बालूगढ्ढा में अचानक जमीन धंसने से हड़कंप मच गया। पीड़ित सुमित कुमार के घर के दरवाजे के ठीक सामने तेज आवाज के साथ जमीन धंस गई और देखते ही देखते वहां एक बड़ा गोफ बन गया। इस घटना से आसपास मौजूद लोगों में अफरा-तफरी मच गई। जमीन धंसने की घटना के बाद आसपास के कई घरों में दरारें आने की बात सामने आई है। अचानक बने गोफ को देखकर लोग सहम गए। इधर, कई परिवारों ने जरूरी सामान लेकर सुरक्षित ठिकाने की तलाश शुरू कर दी है।

वहीं घटना के प्रत्यक्षदर्शी सुमित कुमार ने बताया कि उनके घर के पास ही कुछ लोगों के बीच विवाद हो रहा था। शोर सुनकर वह झगड़ा देखने के लिए घर से बाहर निकल गए तभी अचानक तेज धमाके जैसी आवाज सुनाई दी और जमीन धंस गई। सुमित के मुताबिक, कुछ देर बाद जब वह वापस लौटे तो घर के समीप एक बड़ा गोफ बन चुका था। उनका कहना है कि अगर वह झगड़ा देखने के लिए बाहर नहीं निकले होते, तो शायद उनकी जान भी जा सकती थी। स्थानीय लोगों का दावा है कि जमीन धंसने के बाद इलाके में जहरीली गैस का रिसाव भी हो रहा है। लोगों का कहना है कि जमीन के नीचे आग धधक रही है और उसके ऊपर बने घरों में लोग रह रहे हैं। भू-धंसान की घटना के बाद लोगों में बीसीसीएल प्रबंधन के खिलाफ नाराजगी भी देखने को मिली। स्थानीय लोगों ने प्रबंधन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए जमकर नारेबाजी की और प्रभावित परिवारों को तत्काल सुरक्षित स्थान पर ले जाने की मांग की। ग्रामीणों का कहना है कि कतरास के सोनारडीह और छातााबाद में हुई घटनाओं के बावजूद प्रबंधन ने सबक नहीं लिया है। लोगों का सवाल है कि जब प्रभावित परिवारों का सर्वे किया जा चुका है और उनके नाम सूची में दर्ज हैं, तो फिर उन्हें अब तक सुरक्षित स्थान पर क्यों नहीं भेजा गया? ग्रामीणों का आरोप है कि किसी बड़ी घटना के बाद कार्रवाई करने के बजाय पहले ही एहतियात कदम उठाए जाने चाहिए। लोगों का कहना है कि यहां रहने वाले परिवार हर वक्त अपनी जान को लेकर चिंचित हैं। जमीन धंसने की घटना ने प्रभावित परिवारों के सामने दोहरी परेशानी खड़ी कर दी है। एक तरफ जान का खतरा है, दूसरी ओर सर छिपाने की चिंता भी। वहीं स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि घर असुरक्षित हो चुके हैं तो परिवार आखिर जाएं कहां? बारिश और धूप से बचने का संकट अलग है, जबकि जमीन के नीचे धधकती आग और भू-धंसान का खतरा लगातार बना हुआ है। लोगों ने बीसीसीएल प्रबंधन से मांग की है कि प्रभावित परिवारों को बिना किसी देरी के सुरक्षित स्थान पर शिफ्ट किया जाए। ग्रामीणों का कहना है कि जब खतरा सामने आ चुका है, तो कागजी प्रक्रिया के नाम पर और इंतजार करना लोगों की जिंदगी के साथ खिलवाड़ होगा। स्थानीय लोगों के मुताबिक, इलाके में 182 प्रभावित लोगों की सूची तैयार की जा चुकी है। बावजूद इसके अब तक सभी परिवारों को सुरक्षित स्थान पर शिफ्ट नहीं किया गया है। ग्रामीणों का कहना है कि जिन परिवारों के नाम सूची में हैं, उन्हें तत्काल पुनर्वासित किया जाए।

पलामू के बटाने नदी में डूब गए थे बिहार के तीन दोस्त, 36 घंटे बाद बरामद हुआ दूसरा शव

संवाददाता

पलामू : जिले के हरिहरगंज थाना क्षेत्र में बटाने नदी में डूबे तीन दोस्तों में से एक और का शव बरामद कर लिया गया है। ये तीनों दोस्त शनिवार शाम को डूब गए थे, वे सभी बिहार के औरंगाबाद ज़िले के मिनी बीघा गांव के रहने वाले थे। शनिवार को ही राजेंद्र साव नाम के एक युवक को बाहर निकाला लिया गया।

वहीं, रविवार को दूसरे दोस्त रितिक का बटाने पुल के पास शव बरामद हुआ था। जबकि तीसरे दोस्त टेनी का सोमवार को हरिहरगंज के सियरभूंका के इलाके में बटाने नदी से शव बरामद हुआ, जिसकी पहचान टेनी के रूप में हुई है।

घटना के बाद, पलामू पुलिस ने रविवार को एनडीआरएफ और एसडीआरएफ को पूरे मामले की जानकारी दी थी। एनडीआरएफ की टीम सोमवार को मौके पर पहुंची और तीसरे दोस्त का शव बटाने नदी से बाहर निकाला। हरिहरगंज के थाना प्रभारी देवव्रत पोद्दार ने बताया कि बटाने नदी से एक और शव को बरामद किया गया है। मृतक के परिजनों को इसकी सूचना दे दी गई और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया।

बता दें कि शनिवार को राजेंद्र, रितिक और टेनी पिकनिक मनाने के लिए पलामू के हरिहरगंज के बटाने नदी पहुंचे थे। तीनों नदी में नहाने के लिए उतरे थे और इस दौरान तीनों डूब गए। ग्रामीणों ने राजेंद्र को बेहोशी की हालत में नदी से बाहर निकाला था और पुलिस की मदद से इलाज के लिए भेजा गया था। बाद में राजेंद्र को इलाज के लिए रेफर कर दिया गया था। राजेंद्र की हालत फिलहाल स्थिर बनी हुई है और उनका इलाज चल रहा है।

यदुवंश सहाय और अमिय कुमार घोष के नाम पर हो सार्वजनिक स्थलों का नामकरण व प्रतिमा स्थापना : हृदयानंद

मेट्रोरेज संवाददाता

मेदिनीनगर : पलामू के दो महान स्वतंत्रता सेनानियों एवं संविधान सभा के सदस्यों श्री यदुवंश सहाय (यदु बाबू) और श्री अमिय कुमार घोष (गोपा बाबू) की स्मृति एवं उनके ऐतिहासिक योगदान को सम्मान देने की मांग को लेकर झारखंड हिंदू धार्मिक न्यास बोर्ड, झारखंड सरकार के सदस्य श्री हृदयानंद मिश्र, अधिवक्ता के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने पलामू प्रमंडल की आयुक्त श्रीमती कुमुद सहाय, आईएएस से मुलाकात कर उन्हें लिखित ज्ञापन सौंपा।

श्री हृदयानंद मिश्र ने आयुक्त को दिए अपने पत्र में कहा कि यदुवंश सहाय और अमिय कुमार घोष पलामू की ऐसी गौरवशाली विभूतियां हैं, जिन्होंने स्वतंत्रता आंदोलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के साथ-साथ संविधान सभा के सदस्य के रूप में भारतीय संविधान के निर्माण में अपना योगदान दिया। ऐसी महान ऐतिहासिक एवं संवैधानिक विरासत को नई पीढ़ी तक पहुंचाना समाज और प्रशासन की साझा जिम्मेदारी है।

ज्ञापन में मांग की गई है कि मेदिनीनगर के जेल-हाता मोहल्ले का नाम बदलकर ह्लयदुवंश नगर (यदु बाबू)ह्व तथा सेवा सदन रोड का नाम ह्लअमिय कुमार घोष रोड (गोपा बाबू)ह्व किया जाए। साथ ही शहर के किसी प्रमुख एवं सार्वजनिक स्थल पर दोनों महान स्वतंत्रता सेनानियों एवं संविधान सभा सदस्यों की आदमकद/जीवन-आकार की प्रतिमाएं स्थापित की जाएं तथा उनके जीवन, स्वतंत्रता संग्राम और संविधान निर्माण में योगदान का उल्लेख करने वाले परिचयात्मक शिलापट्ट लगाए जाएं।

श्री मिश्र ने यह भी प्रस्ताव दिया कि मेदिनीनगर में ह्लपलामू संवैधानिक विरासत केंद्र/कॉर्नरह्व की स्थापना की जाए, जहां यदुवंश सहाय और अमिय कुमार घोष से संबंधित दुर्लभ दस्तावेज, छायाचित्र, संस्मरण एवं अभिलेखीय सामग्री प्रदर्शित की जा सके। इससे विद्यार्थियों, शोधकताओं और युवा पीढ़ी को पलामू के संवैधानिक एवं स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास को समझने में महत्वपूर्ण सहायता मिलेगी।

आयुक्त ने लिया त्वरित संज्ञान

प्रतिनिधिमंडल की मांगों पर पलामू आयुक्त श्रीमती कुमुद सहाय ने त्वरित संज्ञान लेते हुए श्री हृदयानंद मिश्र के पत्र को आवश्यक कार्रवाई के लिए पलामू के उपायुक्त एवं मेदिनीनगर नगर निगम के नगर आयुक्त को अग्रसारित कर दिया है। आयुक्त की इस पहल का प्रतिनिधिमंडल ने स्वागत करते हुए उम्मीद जताई कि जिला प्रशासन एवं नगर निगम इस ऐतिहासिक मांग पर शीघ्र सकारात्मक कार्रवाई करेंगे।

श्री हृदयानंद मिश्र ने कहा कि, ह्लयदुवंश सहाय और अमिय कुमार घोष केवल पलामू की नहीं, बल्कि देश की संवैधानिक विरासत के महत्वपूर्ण स्तंभ हैं। उनके नाम पर सार्वजनिक स्थलों का नामकरण और प्रतिमा स्थापना आने वाली पीढ़ियों को अपने इतिहास और लोकतांत्रिक विरासत से जोड़ने का कार्य करेगी।ह्व

उन्होंने कहा कि पलामू की धरती ने स्वतंत्रता आंदोलन और लोकतंत्र को अनेक महान व्यक्तित्व दिए हैं। ऐसे महापुरुषों को उचित सम्मान देना किसी राजनीतिक दल का नहीं, बल्कि पूरे समाज का दायित्व है।

प्रतिनिधिमंडल में ये रहे शामिल

इस अवसर पर श्री हृदयानंद मिश्र के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल में मेदिनीनगर के वरिष्ठ नागरिक एवं स्वतंत्रता सेनानी के पुत्र तथा पलामू एटा के अध्यक्ष श्री प्रेम भसीन, यदुवंश सहाय के पौत्र श्री सुधीर सहाय, झारखंड प्रदेश शिक्षा विभाग के स्टेट चेयरमैन श्री श्याम नारायण सिंह, प्रो. डॉ. सुमित मिश्रा, श्री नवल किशोर सिंह, महिला कांग्रेस नेत्री श्रीमती सुमन तिर्की, पलामू जिला कांग्रेस के महासचिव श्री जतरू उरांव एवं श्री संजीव कुमार मिश्रा सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

प्रतिनिधिमंडल ने विश्वास व्यक्त किया कि जिला प्रशासन और मेदिनीनगर नगर निगम इस प्रस्ताव को गंभीरता से लेते हुए यदुवंश सहाय एवं अमिय कुमार घोष की स्मृति को स्थायी रूप से संरक्षित करने की दिशा में ठोस पहल करेंगे।

एलआरडीसी अनिल कुमार सिंह ने छह टीबी मरीजों को लिया गोद

संवाददाता

बंदगांव : टीबी उन्मूलन कार्यक्रम के तहत सोमवार को कराईकेला प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में आयोजित कार्यशाला के दौरान एलआरडीसी, चक्रधरपुर श्री अनिल कुमार सिंह ने छह टीबी मरीजों को गोद लिया।

इस अवसर पर श्री अनिल कुमार सिंह ने टीबी मरीजों के शीघ्र स्वस्थ होने के लिए उन्हें नियमित रूप से दवा लेने के साथ-साथ पौष्टिक आहार लेने की आवश्यकता पर जोर दिया। गोद लिए गए सभी छह टीबी मरीजों को पोषण किट प्रदान किया गया, ताकि वे दवाओं के साथ पर्याप्त पोषण प्राप्त कर जल्द स्वस्थ हो सकें।

कार्यक्रम के तहत पश्चिमी सिंहभूम जिले के सभी अधिकारियों एवं आम लोगों से निक्षय मित्र बनकर टीबी मरीजों को गोद लेने तथा उनके उपचार एवं पोषण में सहयोग करने की अपील की जा रही है। स्वास्थ्य विभाग का उद्देश्य जनभागीदारी के माध्यम से टीबी मरीजों को आवश्यक पोषण एवं सहयोग उपलब्ध कराकर जिले को टीबी मुक्त बनाने के लक्ष्य को प्राप्त करना है।

इस मौके पर एसटीएस गोवर्धन पिंगुआ, एमपीडब्ल्यू नितेश कुमार मंडल, भीम पुरी, ऋतिक बोदरा एवं सुखलाल बोदरा सहित अन्य स्वास्थ्यकर्मी उपस्थित रहे।

पुलिस मेंस एसोसिएशन ने खोला मोर्चा

बोकारो : विधायक एवं पुलिस के बीच टकराव का मामला शांत होता नजर नहीं आ रहा है। बोकारो में डुमरी विधायक जयराम महतो के एक कथित बयान को लेकर पुलिस महकमे में नाराजगी बढ़ती जा रही है। सेक्टर-4 स्थित पुलिस क्लब में झारखंड पुलिस मेंस एसोसिएशन ने प्रेस वार्ता कर विधायक के बयान पर आपत्ति जताई। एसोसिएशन ने कहा कि जनप्रतिनिधि से इस तरह की भाषा की उम्मीद नहीं की जाती।

विकसित भारत युवा कनेक्ट-स्पोर्ट्स एडिशन कार्यक्रम में युवाओं ने लिया राष्ट्र निर्माण का संकल्प

संवाददाता

मेदिनीनगर : आज राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार एवं मेरा युवा भारत के संयुक्त तत्वावधान में ए.के. सिंह कॉलेज, जपला, पलामू में ह्लविकसित भारत युवा कनेक्टझ स्पोर्ट्स एडिशनह्व कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिला सांसद प्रतिनिधि श्री विजय ओझा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम में कॉलेज के सचिव श्री प्रफुल्ल कुमार सिंह, प्राचार्य, प्रोफेसरगण, प्रबुद्धजन तथा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को खेल, फिटनेस, राष्ट्र निर्माण तथा विकसित भारत के संकल्प से जोड़ना रहा।

मुख्य अतिथि जिला सांसद प्रतिनिधि ने अपने संबोधन में कहा कि युवा देश की सबसे बड़ी शक्ति हैं। खेल केवल शारीरिक स्वास्थ्य का माध्यम नहीं, बल्कि अनुशासन, टीम भावना, नेतृत्व क्षमता और राष्ट्र के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करने का प्रभावी माध्यम है। उन्होंने छात्र-छात्राओं से खेल एवं शिक्षा के साथ-साथ समाज और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान युवाओं के साथ खेल, फिटनेस एवं राष्ट्र निर्माण से जुड़े विभिन्न विषयों पर संवाद एवं विचार-विमर्श किया गया। वक्ताओं ने युवाओं को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने तथा खेलों के माध्यम से अपने व्यक्तित्व एवं प्रतिभा को निखारने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में कॉलेज के सचिव श्री प्रफुल्ल कुमार सिंह सहित प्राचार्य, शिक्षकगण, प्रबुद्धजन एवं छात्र-छात्राओं की सक्रिय सहभागिता रही।

रामडेरा में डहरे करम झुमर महोत्सव का भव्य आयोजन

संवाददाता

सिल्ली : महाकवि महिपाल साधु सांस्कृतिक कला संस्थान, सिल्ली द्वारा संस्थान के स्थापना दिवस के अवसर पर रामडेरा में डहरे करम झुमर महोत्सव का आयोजन किया गया। संस्थान के अध्यक्ष योगेन्द्र महतो ने बताया कि कार्यक्रम की शुरूआत रामडेरा के पूर्व स्थित नागेडीह गांव में महाकवि महिपाल साधु की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर की गई। वहां से डहरे गाते हुए शोभायात्रा के रूप में चालीटांड, रामडेरा लाया गया, जहां करम डाली को गाड़ कर पूजा-अर्चना की गई और महाकवि के चित्र को अखाड़ा में स्थापित किया गया। महोत्सव में संरक्षक सह गायक गुणाधर महतो, गायक नीलकमल मांझी, ढोलकी वादक गोंझु लोहरा, गायक धनेनाथ महतो, विद्याधर महतो की टीम ने पारंपरिक डहरे करम गीतों के साथ मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किया। इसमें गांव की महिलाओं और पुरुषों ने पूरे जोश के साथ भाग लिया। विशेष रूप से पीले परिधान में आई महिलाओं ने सामूहिक नृत्य से समां बांध दिया। योगेन्द्र महतो ने बताया कि रामडेरा में महाकवि महिपाल साधु की प्रतिमा (स्टैच्यू) के लिए जगह आवंटित हो चुकी है, अब केवल निर्माण कार्य बाकी है। उन्होंने सभी ग्रामवासियों से अपील की कि इसके निर्माण में तन-मन-धन से सहयोग करें। इस अवसर पर मंच पर डॉ। परमानंद महतो, डॉ। पशुपति महतो, कार्तिक महतो, क्षेत्रमोहन महतो, दिनेश महतो, अम्बा देवी, शशि महतो, नेहरू महतो, समीर मुखर्जी सहित कई सम्मानित सदस्य उपस्थित थे।

गडगी में फुटबॉल महाकुंभ संपन्न, दलांगी टीम बना विजेता

मेट्रो रेज संवाददाता

कोडरमा : जिला अंतर्गत बरकट्ठा विधानसभा क्षेत्र के जयनगर प्रखंड स्थित ग्राम पंचायत गडगी में युवा आदर्श क्लब के तत्वावधान में आयोजित शानदार फुटबॉल टूर्नामेंट का रोमांचक फाइनल मुकाबला संपन्न हुआ। इस भव्य फाइनल मैच का विधिवत उद्घाटन मुख्य अतिथि, झारखण्ड राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष एवं बरकट्ठा के पूर्व विधायक जानकी प्रसाद यादव ने फीता काटकर और फुटबॉल को किक मारकर किया। दलांगी (सरिया, गिरिडीह) और खरगु (चलकुशा, हजारीबाग) के बीच खेला गया खिताबी मुकाबला बेहद संघर्षपूर्ण रहा, जिसमें निर्धारित समय तक कोई परिणाम नहीं निकला। इसके बाद रोमांचक पेनाल्टी शूट-आउट में दलांगी की टीम ने 06-05 से शानदार जीत दर्ज कर प्रथम पुरस्कार पर अपना कब्जा जमाया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि जानकी प्रसाद यादव ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में इस तरह के आयोजन युवाओं की छिपी हुई खेल प्रतिभा को निखारने का सबसे बेहतरीन मंच हैं। उन्होंने खेल और खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए आयोजक कमिटी युवा आदर्श क्लब गडगी के सभी सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक आभार और शुभकामनाएं व्यक्त कीं, जिनके अथक प्रयासों से यह टूर्नामेंट ऐतिहासिक सफलता के साथ संपन्न हुआ। उन्होंने कहा कि मैं जब विधायक बना तो इचाक, बरकट्ठा और जयनगर के डंडाडीह में प्रखंड स्तरीय खेलकूद स्टेडियम बनाने का काम किया, आने वाले दिनों में इस गड़गी में भी भव्य स्टेडियम बनकर रहेगा लेकिन याद रहे न तो मेरे पहले कोई एक स्टेडियम बना पाया न ही मेरे चुनाव हार जाने के बाद कोई अब तक एक भी स्टेडियम विधानसभा क्षेत्र में बना पाया जो कहीं उदाहरण भी दे सके। अतिथियों द्वारा विजेता को हीरो स्पलेंडर प्लस और उपविजेता टीम के खिलाड़ियों को हीरो एचएफ डीलक्स मोटरसाइकिल वहीं तृतीय विजेता टीम को रेंजर साइकल देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर पूर्व जिला परिषद अध्यक्ष (कोडरमा) शालिनी गुप्ता, स्थानीय जनप्रतिनिधिगण एवं भारी संख्या में खेलप्रेमी उपस्थित रहे।